■ वैशाख शुक्ल - 4 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 20 ■ अंक - 272 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » गुरुवार » 01-05-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 पाकिस्तान के साथ युद्ध की स्थिति में असम का हर नागरिक सशस्त्र बलों के साथ खड़ा रहेगा : हिमंत

6 मजदूरों के महत्व को दर्शाता मजदूर दिवस

7 मक्खी-मच्छरों जैसे भिनभिना रहे आतंकवादियों का जल्द होगा खात्मा

फर्स्ट टेक

यमन में हूती विद्रोहियों पर ब्रिटेन-अमेरिका का संयुक्त हवाई हमला

दुबई/एपी। ब्रिटेन और अमेरिका ने यमन के हूती विद्रोहियों को निशाना बनाकर हवाई हमले किए। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। यह पहली बार है जब अमेरिका के नए अभियान 'ऑपरेशन रफ राइडर' में ब्रिटेन की सेना ने सक्रिय भागीदारी की है। यह अभियान 15 मार्च से जारी है, जिसके तहत अब तक 800 से अधिक हमले किए जा चुके हैं। ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय के अनुसार, यह हमला यमन की राजधानी सना के दक्षिण में स्थित इमारतों पर किया गया, जहां हूती विद्रोही ड्रोन तैयार करते थे। इन ड्रोन का इस्तेमाल लाल सागर और अदन की खाड़ी में हवाई हमला करने के लिए किया जाता था। मंत्रालय ने बताया कि हमला रात के अंधेरे में किया गया ताकि आम नागरिकों की मौजूदगी की आशंका कम रहे। हालांकि, ब्रिटेन ने अभी तक इस हमले में हुई क्षति या संभावित हताहतों की जानकारी नहीं दी है।

न्यूजीलैंड में 6.2 तीव्रता का भूकंप, कोई हताहत नहीं

वेलिंगटन/एपी। न्यूजीलैंड के पश्चिमी तट पर मंगलवार देर रात 6.2 तीव्रता का भूकंप आया, हालांकि अधिकारियों ने किसी प्रकार की क्षति की जानकारी नहीं दी है और न ही सुनामी की कोई चेतावनी जारी की गई है। अमेरिकी भूगर्भीय सर्वेक्षण का कहना है कि भूकंप स्थानीय समयानुसार रात एक बजे के कुछ समय बाद ही आया। इसका केंद्र न्यूजीलैंड के इन्वरकार्गिल शहर से 300 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में और समुद्र में सतह से 10 किलोमीटर नीचे था। न्यूजीलैंड की भूगर्भीय विज्ञान एजेंसी के अनुसार, न्यूजीलैंड में भूकंप महसूस नहीं किया गया।

अमेरिका के साथ खनिज संसाधन समझौते को तैयार यूक्रेन

कीव/एपी। यूक्रेन बुधवार को वाशिंगटन में अमेरिका के साथ एक ऐतिहासिक खनिज संसाधन समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए तैयार है। यूक्रेन के दो वरिष्ठ अधिकारियों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि अर्थव्यवस्था मंत्री यूलिया स्विरीडेन्को समझौते के तकनीकी विवरण के अंतिम समन्वय के लिए फिलहाल वाशिंगटन में हैं। उम्मीद है कि यूक्रेनी मंत्रिमंडल बुधवार को समझौते की सामग्री को मंजूरी देगा, जिसके बाद एक अधिकृत सरकारी प्रतिनिधि द्वारा उस पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। इस समझौते पर यूक्रेनी संसद की मुहर जरूरी होगी और इसी के बाद यह प्रभावी होगा।

01-05-2025 सूर्यास्त 6:34 बजे | 02-05-2025 सूर्योदय 5:59 बजे

BSE	NSE
80,242.24	24,334.20
(-46.14)	(-1.75)

सोना	चांदी
10,126 रु.	98,332 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

मूरख पाकिस्तान

सुन बे पाकिस्तान जरा,
अब छोड़ हरकतें बचकानी।
तू नक्शा बदल रहा अपना,
ख्वाबों की चख कर बिरयानी।
तेरी दुम हरदम ही टेढ़ी,
मत कर गंदी कारस्तानी।
भूगोल बदल देंगे तेरा,
हम हैं पक्के हिंदुस्तानी।।

नियंत्रण रेखा पर बिना उकसावे के संघर्ष विराम उल्लंघन के लिए

भारत की पाकिस्तान को चेतावनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

- सैन्य सूत्रों के अनुसार, पाकिस्तान शुक्रवार रात से नियंत्रण रेखा पर भारतीय सीमा में संघर्ष विराम समझौते का उल्लंघन करते हुए गोलीबारी कर रहा है और भारतीय सेना ने इसका ''उचित'' जवाब दिया है।

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर पाकिस्तान की ओर से बिना उकसावे के की गई गोलीबारी को लेकर चेतावनी दी है। पहलगाम आतंकवादी हमले को लेकर बढ़ते तनाव के बीच भारत और पाकिस्तान के सैन्य अभियानों के महानिदेशकों ने 'हॉटलाइन' पर बातचीत की।

सैन्य सूत्रों के अनुसार, पाकिस्तान शुक्रवार रात से नियंत्रण रेखा पर भारतीय सीमा में संघर्ष विराम समझौते का उल्लंघन करते हुए गोलीबारी कर रहा है और भारतीय सेना ने इसका ''उचित'' जवाब दिया है।

सैन्य अभियानों के महानिदेशकों (डीजीएमओ) ने मंगलवार को यह बातचीत की। यह बातचीत ऐसे समय में हुई है जब भारत 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले का जवाब देने के लिए अपने विकल्पों पर विचार कर रहा है। इस हमले में 26 लोग मारे गये थे।

डीजीएमओ वार्ता से परिचित लोगों ने बताया कि पाकिस्तानी सेना को बिना उकसावे के गोलीबारी के खिलाफ चेतावनी दी गई है।

हालांकि, सूत्रों ने 'हॉटलाइन' पर हुई बातचीत को ''नियमित'' बताया और कहा कि यह डीजीएमओ के बीच साप्ताहिक बातचीत थी जो हर मंगलवार को होती है।

सूत्रों ने बताया कि भारतीय डीजीएमओ ने पाकिस्तानी सेना द्वारा संघर्ष विराम उल्लंघन का मामला जोरदार तरीके से उठाया। तनाव कम करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, 25 फरवरी, 2021 को भारतीय और पाकिस्तानी सेनाओं ने घोषणा की थी कि वे 2003 के युद्धविराम समझौते के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए नियंत्रण रेखा पर गोलीबारी बंद कर देंगे।

पंजाब किंग्स ने चेन्नई को उसी के घर में दी चार विकेट से पटखनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/एजेन्सी। युजवेंद्र चहल (चार विकेट), अर्शदीप सिंह और मार्को यानसन (दो-दो विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के बाद श्रेयस अय्यर (72) और प्रभसिमरन सिंह (54) की अर्धशतकीय पारी की बदौलत पंजाब किंग्स ने बुधवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 49वें मैच में चेन्नई सुपर किंग्स को उसी के घर में चार विकेट से पटखनी दी।

191 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पंजाब किंग्स के लिए प्रियांश आर्य और प्रभसिमरन सिंह ने पहले विकेट के लिए 44 रन जोड़े। पांचवें ओवर में खलील अहमद ने प्रियांश आर्य 15 गेंदों में 23 रन को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये कप्तान श्रेयस अय्यर ने प्रभसिमरन सिंह के साथ दूसरे विकेट के लिए 72 रन जोड़े। 13वें ओवर में नूर अहमद ने प्रभसिमरन सिंह को आउट कर इस साझेदारी को अंत किया। प्रभसिमरन सिंह ने 36 गेंदों में पांच चौके और तीन छक्के लगाते हुए (54) रन बनाये। इसके बाद नेहाल वढेरा (पांच) रन बनाकर आउट हुये। चौथे विकेट के रूप में शशांक सिंह 12 गेंदों में (23) रन बनाकर आउट हुये। 19वें ओवर में मतीशा पतिराना ने श्रेयस अय्यर को बोल्ड कर चेन्नई को पांचवी सफलता दिलाई। श्रेयस अय्यर ने 41 गेंदों में पांच चौके और चार छक्के लगाते हुए (72) रनों की पारी खेली। सूर्यांश शेडगे (एक) रन बनाकर आउट हुये। पंजाब किंग्स ने 19.4 ओवर में छह विकेट पर 194 रन बनाकर मुकाबला चार विकेट से जीत लिया।

धर्माचार्य

आंध्र प्रदेश के ऋग्वेद के विद्वान सत्य चंद्रशेखरेंद्र सरस्वती शंकराचार्य को बुधवार को एक भव्य धार्मिक समारोह में प्राचीन कांची कामकोटि पीठ के कनिष्ठ धर्माचार्य के रूप में नियुक्त किया गया। कांची मठ में परंपरा के अनुसार संन्यास लेने से पहले गणेश शर्मा द्रविड़ के नाम से जाने जाने वाले 25 वर्षीय आचार्य को मठ ने वर्तमान संत विजयेंद्र सरस्वती शंकराचार्य के उत्तराधिकारी के रूप में मान्यता दी। यह ऐतिहासिक आयोजन अक्षय तृतीया के शुभ अवसर पर हुआ।

पाकिस्तान की भारत को गीदड़ धमकी

भारत ने सैन्य कार्रवाई की तो उसे परिणाम भुगतने होंगे : पाकिस्तान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इस्लामाबाद/नई दिल्ली/भाषा। पाकिस्तान ने बुधवार को ''विश्वसनीय खुफिया जानकारी'' का हवाला देते हुए दावा किया कि भारत अगले 24 से 36 घंटों के भीतर उसके खिलाफ सैन्य कार्रवाई की योजना बना रहा है। पाकिस्तान ने साथ ही चेतावनी दी कि भारत को इसके परिणाम भुगतने होंगे।

सरकारी सूत्रों ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को शीर्ष रक्षा अधिकारियों से कहा था कि पहलगाम आतंकवादी हमले पर भारत को कैसे जवाब देना है, उसके लक्ष्य क्या हैं और इसे कब अंजाम देना है, इस पर निर्णय लेने के लिए सशस्त्र बलों को ''अभियान के संचालन की पूरी स्वतंत्रता'' है। इसके बाद पाकिस्तान की ओर से यह बयान आया है।

पाकिस्तान के सूचना मंत्री अताउल्ला तरार ने कहा कि भारत सरकार पहलगाम में हाल में हुए आतंकवादी हमले में पाकिस्तान की संलिप्तता के बारे में ''निराधार और मनगढ़ंत आरोपों'' के आधार पर हमला करने की तैयारी कर रही है।

बयान के अनुसार, मंत्री ने कहा कि पाकिस्तान खुद आतंकवाद का शिकार रहा है और उसने हमेशा आतंकवाद के सभी स्वरूपों की निंदा की है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने एक आयोग द्वारा ''विश्वसनीय, पारदर्शी और स्वतंत्र'' जांच की पेशकश की है लेकिन भारत जांच से बच रहा है और टकराव का रास्ता चुन रहा है।

पाकिस्तान ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय को सतर्क रहना चाहिए। साथ ही उसने चेतावनी दी कि भारत द्वारा किसी भी सैन्य दुस्साहस का ''निश्चित रूप से और निर्णायक रूप से जवाब दिया जाएगा'' और ''संघर्ष की स्थिति बढ़ने तथा उसके परिणामों की जिम्मेदारी पूरी तरह से भारत पर होगी।''

अगली जनगणना में जातिगत गणना भी शामिल होगी : सरकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

- हमारी सरकार अपने समाज और देश के मूल्यों और हितों के लिए प्रतिबद्ध है : अश्विनी वैष्णव
- राजनीति के कारण सामाजिक ताना-बाना प्रभावित न हो, सर्वेक्षणों के बजाय जातिगत गणना को पारदर्शी तरीके से जनगणना में शामिल करने का निर्णय लिया गया।

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने बुधवार को फैसला किया कि आगामी जनगणना में जातिगत गणना को ''पारदर्शी'' तरीके से शामिल किया जाएगा। केंद्र सरकार ने, साथ ही जाति आधारित सर्वेक्षण को ''राजनीतिक हथियार'' के तौर पर इस्तेमाल करने के लिए विपक्षी दलों को आड़े हाथों लिया।

कांग्रेस सहित विपक्षी दल देशव्यापी जातिगत गणना कराने की मांग कर रहे हैं और इसे एक बड़ा चुनावी मुद्दा बना रहे हैं। तत्कालीन महागठबंधन सरकार के दौरान बिहार में तथा तेलंगाना और कर्नाटक जैसे कुछ गैर-भाजपाई राज्यों में जाति आधारित सर्वेक्षण भी कराए गए हैं।

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने राजनीतिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति द्वारा लिए गए निर्णय की जानकारी देते हुए बताया कि जनगणना केंद्र के अधिकारक्षेत्र में आती है, लेकिन कुछ राज्यों ने सर्वेक्षण के नाम पर जातिगत गणना ''गैर-पारदर्शी'' तरीके से की है, जिससे समाज में संदेह पैदा हुआ है।

केंद्रीय मंत्री ने रेखांकित किया कि स्वतंत्रता के बाद से की गईं सभी जनगणना प्रक्रियाओं में जाति को शामिल नहीं किया गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकारों ने हमेशा जातिगत गणना का विरोध किया है और पार्टी ने इस मुद्दे का इस्तेमाल ''राजनीतिक हथियार'' के रूप में किया है।

वैष्णव ने कहा, ''इन सभी तथ्यों पर विचार करते हुए तथा यह सुनिश्चित करने के लिए कि राजनीति के कारण सामाजिक ताना-बाना प्रभावित न हो, सर्वेक्षणों के बजाय जातिगत गणना को पारदर्शी तरीके से जनगणना में शामिल करने का निर्णय लिया गया।'' उन्होंने कहा कि इससे हमारे समाज का सामाजिक और आर्थिक ढांचा मजबूत होगा और राष्ट्र भी प्रगति करता रहेगा।

जातिगत गणना का समर्थन, लेकिन सरकार बताए कि यह किस तिथि तक होगी : राहुल

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने अगली जनगणना में जातिगत गणना कराए जाने के केंद्र सरकार के फैसले पर बुधवार को कहा कि वह इसका समर्थन करते हैं, लेकिन सरकार को बताना चाहिए कि यह किस तिथि तक होगी। सरकार ने बुधवार को फैसला किया कि आगामी जनगणना में जातिगत गणना को ''पारदर्शी'' तरीके से शामिल किया जाएगा। राजनीतिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति द्वारा लिए गए निर्णयों की घोषणा करते हुए केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि जनगणना केंद्र के अधिकार क्षेत्र में आती है लेकिन कुछ राज्यों ने सर्वेक्षण के नाम पर जाति गणना की है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने संवाददाताओं से कहा, संसद में हमने कहा था कि जाति जनगणना करवा के रहेंगे...नरेन्द्र मोदी जी ने कहा था कि सिर्फ चार जातियां हैं। लेकिन पता नहीं क्या हुआ कि 11 साल बाद इसकी घोषणा की गई। उन्होंने कहा, हम इसका समर्थन करते हैं, लेकिन इसमें समयसीमा होनी चाहिए...हमें तिथि बताई जाए। राहुल गांधी का कहना था कि सरकार को यह भी बताना चाहिए कि यह जातिगत गणना किस प्रकार से होगी।

अमेरिका का भारत, पाक से तनाव कम करने का आग्रह

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन/भाषा। भारत और पाकिस्तान के मध्य बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका ने दोनों देशों से ''संघर्ष को और नहीं बढ़ाने'' का आग्रह किया है। विदेश मंत्री मार्को रुबियो इस संबंध में ''आज या कल'' दोनों देशों के विदेश मंत्रियों से बात करने वाले हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता टैमी ब्रूस ने मंगलवार को एक प्रेस वार्ता में कहा कि अमेरिका ''कश्मीर की स्थिति के बारे में'' भारत और पाकिस्तान दोनों से संपर्क कर रहा है और उनसे तनाव नहीं बढ़ाने का अनुरोध कर रहा है। ब्रूस ने कहा कि विदेश मंत्री मार्को रुबियो के ''आज या कल पाकिस्तान और भारत के विदेश मंत्रियों से बात करने की उम्मीद है। वह अन्य देशों के नेताओं और विदेश मंत्रियों को इस मुद्दे पर देशों (भारत-पाकिस्तान) से संपर्क करने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं।'' ब्रूस ने कहा, ''जैसा कि मैंने बताया है कि हर दिन कदम उठाए जा रहे हैं। इस मामले में विदेश मंत्री भारत और पाकिस्तान में अपने समकक्षों से सीधे बात कर रहे हैं और आगे भी करेंगे।''

'पहलगाम के दोषियों को कड़ी सजा देना जरूरी'

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा है कि पहलगाम में क्रूर नरसंहार के दोषियों के खिलाफ सरकार को सख्त कार्रवाई करते हुए उन्हें कड़ी सजा देनी होगी और सरकार जो भी कदम उठाएगी पूरा विपक्ष उसके साथ खड़ा रहेगा।

गांधी ने बुधवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि सरकार को पूरी ताकत के साथ इस हमले के जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई कर सख्त सजा देनी है ताकि भविष्य में वे भारत के खिलाफ किसी घटना को अंजाम देने के बारे में कभी गलती से भी सोच ना सकें। उनका कहना था कि इस हमले में मारे गए नागरिकों को शहीद का दर्जा देकर सम्मानित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा,मैं इस पर टिप्पणी नहीं करना चाहता कि यह कैसे हुआ। मैं इतना कहना चाहता हूं कि जिन्होंने यह अपराध किया है, चाहे वे कोई भी हो और जहां भी है, उन्हें इसकी उचित कीमत चुकानी होगी। आधे-अधूरे मन से नहीं बल्कि शक्ति से कदम उठाना है ताकि उन्हें याद रहे कि भारत के साथ ऐसा नहीं किया जा सकता। विपक्ष और सरकार की बैठक में हमने स्पष्ट रूप से और एकमत से कहा है कि जो हुआ है वह स्वीकार्य नहीं है। पूरा विपक्ष सरकार को अपना 100 प्रतिशत समर्थन देगा और अब भी पूरा समर्थन दे रही है।

सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के एसजेबी इंस्टीट्यूशन ऑफ़ टेक्नोलॉजी द्वारा आयोजित शरीर सौष्ठव प्रतियोगिता 'वर्चस्व 2025'का आयोजन किया गया जिसमें विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित समाज सेवी महेन्द्र मुणोत ने विजेता प्रतियोगी को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। आयोजकों ने मुणोत का भी सम्मान किया।

अठाईस प्रतिशत महिला सांसदों/विधायकों पर आपराधिक मामले, 17 अरबपति हैं : एडीआर

नई दिल्ली/भाषा

देशभर में 17 महिला सांसद और विधायक हैं, जिन्होंने खुद को अरबपति घोषित किया है, जबकि 28 प्रतिशत ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले होने की जानकारी दी है। चुनाव अधिकारों से संबंधित संगठन ''एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स'' (एडीआर) ने अपने विश्लेषण में यह जानकारी दी है। लोकसभा की 75 महिला सांसदों में से छह, राज्यसभा की 37 में से तीन तथा राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों की विधानसभाओं की 400 महिला विधायकों में से आठ अरबपति हैं।

वर्तमान 513 महिला सांसदों/विधायकों में से 512 द्वारा प्रस्तुत हलफनामों के आधार पर तैयार रिपोर्ट में कहा गया है कि 143 अर्थात् 28 प्रतिशत ने अपने विरुद्ध आपराधिक मामले दर्ज होने की जारकारी दी है।

निचले सदन की इन 75 महिला सांसदों में से 24 (32 प्रतिशत), उच्च सदन की 37 महिला सांसदों में से 10 (27 प्रतिशत) और 400 महिला विधायकों (सभी राज्य विधानसभाओं/केंद्र शासित प्रदेश) में से 109 (27 प्रतिशत) ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज होने की घोषणा की है।

रिपोर्ट के अनुसार, इसके अलावा 78 महिला सांसदों/विधायकों (15 प्रतिशत) पर हत्या के प्रयास और यहां तक कि हत्या जैसे गंभीर आपराधिक आरोप भी लगे हैं। लोकसभा की 75 महिला सदस्यों में से 14 (19 प्रतिशत), जबकि राज्यसभा की 37 सदस्यों में से सात (19 प्रतिशत) और 400 महिला विधायकों (सभी राज्य विधानसभाओं/केंद्र शासित प्रदेश) में से 57 (14 प्रतिशत) ने अपने खिलाफ गंभीर आपराधिक मामले घोषित किए हैं।

कुछ राज्यों में आपराधिक रिकॉर्ड वाली महिला सांसदों का अनुपात विशेष रूप से अधिक है।

रिपोर्ट के अनुसार, गोवा से तीन महिला सांसदों/विधायकों में से दो (67 प्रतिशत), तेलंगाना से 12 महिला सांसदों/विधायकों में से आठ (67 प्रतिशत), आंध्र प्रदेश से 24 महिला सांसदों/विधायकों में से 14 (58 प्रतिशत), पंजाब से 14 महिला सांसदों/विधायकों में से सात (50 प्रतिशत), केरल से 14 महिला सांसदों/विधायकों में से सात (50 प्रतिशत) और बिहार से 35 महिला सांसदों/विधायकों में से 15 (43 प्रतिशत) ने अपने शपथ-पत्र में अपने खिलाफ आपराधिक मामले घोषित किए हैं।

रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि तेलंगाना की 12 महिला सांसदों/विधायकों में से पांच (42 प्रतिशत), आंध्र प्रदेश की 24 में से नौ (38 प्रतिशत), गोवा की तीन महिला सांसदों/विधायकों में से एक (33 प्रतिशत), बिहार की 35 महिला सांसदों/विधायकों में से नौ (26 प्रतिशत), मेघालय की चार महिला सांसदों/विधायकों में से एक (25 प्रतिशत), पंजाब की 14 महिला सांसदों/विधायकों में से तीन (21 प्रतिशत) और केरल की 14 महिला सांसदों/विधायकों में से तीन (21 प्रतिशत) ने अपने शपथपत्रों में अपने खिलाफ गंभीर आपराधिक मामले घोषित किए हैं।

पार्टी के हिसाब से देखें तो भाजपा में सबसे अधिक महिला सांसद/विधायक (217) हैं, जिनमें से 23 प्रतिशत पर आपराधिक मामले दर्ज हैं और 11 प्रतिशत पर गंभीर आरोप हैं। कांग्रेस में यह अनुपात ज्यादा है, जिसकी 83 महिला सांसद/विधायकों में से 34 प्रतिशत पर आपराधिक मामले दर्ज हैं और 20 प्रतिशत पर गंभीर आरोप हैं।

तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) की 20 महिला सांसदों/विधायकों में से 65 प्रतिशत पर आपराधिक मामले दर्ज हैं, जबकि 45 प्रतिशत पर गंभीर मामले दर्ज हैं।

आम आदमी पार्टी (आप) की 13 महिला सांसदों/विधायकों में से 69 प्रतिशत पर आपराधिक मामले तथा 31 प्रतिशत पर गंभीर आरोप हैं।

गंगोत्री, यमुनोत्री के कपाट खुले, चारधाम यात्रा शुरू

देहरादून/भाषा। उच्च गढ़वाल हिमालयी क्षेत्र में स्थित विश्व प्रसिद्ध गंगोत्री और यमुनोत्री मंदिरों के कपाट बुधवार को अक्षय तृतीया के पर्व पर वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजा-अर्चना के बाद श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए और इसके साथ ही उत्तराखंड की इस वर्ष की चारधाम यात्रा की शुरुआत हो गई।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी राज्य के उत्तरकाशी जिले में स्थित गंगोत्री और यमुनोत्री दोनों धामों के कपाट खुलने के समारोह में मौजूद रहे। उन्होंने दोनों धामों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नाम से पहली पूजा की और चारधाम यात्रा के सफल आयोजन तथा देश-प्रदेश की सुख समृद्धि एवं खुशहाली की मंगल कामना की।

यमुनोत्री धाम के कपाट खुलने के अवसर पर मंदिर में पहुंचने वाले धामी पहले मुख्यमंत्री हैं। मंदिरों के कपाट खुलने के अवसर पर गंगोत्री एवं यमुनोत्री मंदिर के ऊपर हैलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा की गई। धार्मिक परंपराओं के अनुसार, बुधवार सुबह देवी गंगा की मूर्ति को लेकर उत्सव डोली भैरव घाटी स्थित भैरव मंदिर से चलकर गंगोत्री धाम पहुंची जहां विशेष पूजा-अभिषेक के साथ पूर्वाह्न 10 बजकर 30 मिनट पर मंदिर के कपाट श्रद्धालुओं के लिए खोले दिए गए। इसके बाद देवी यमुना की डोली शनिदेव महाराज की अगुवाई में शीतकालीन प्रवास स्थल खरसाली से चलकर यमुनोत्री धाम पहुंची और धार्मिक विधि-विधान के साथ पूर्वाह्न 11 बजकर 55 मिनट पर यमुनोत्री मंदिर के कपाट श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए।

धामों के कपाट खुलने के अवसर पर देश-विदेश से आए हजारों श्रद्धालुओं ने अखंड ज्योति के दर्शन किए तथा गंगा और यमुना में स्नान कर पुण्य अर्जित किया।

मुख्यमंत्री ने देवी गंगा एवं यमुना के मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना की तथा वहां पहुंची लोक देवताओं की डोलियों से भी आशीष प्राप्त किया।

आरती

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को दीघा में जगन्नाथ मंदिर के गर्भगृह में भगवान जगन्नाथ की नव स्थापित मूर्ति के दर्शन करने के बाद आरती की।

सरकार ने गन्ने का लाभकारी मूल्य 4.41 प्रतिशत बढ़ाकर 355 रुपए प्रति क्विंटल किया

नई दिल्ली/भाषा

सरकार ने बुधवार को अक्टूबर से शुरू होने वाले आगामी 2025-26 सत्र के लिए गन्ने का उचित और लाभकारी मूल्य (एफआरपी) 4.41 प्रतिशत बढ़ाकर 355 रुपए प्रति क्विंटल करने का फैसला किया।

गन्ना किसानों के हित को ध्यान में रखते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) की बैठक में इस बारे में फैसला किया गया।

चालू 2024-25 सत्र के लिए गन्ने का एफआरपी 340 रुपए प्रति क्विंटल तय किया गया है।

केंद्र सरकार एफआरपी तय करती है, जो अनिवार्य न्यूनतम मूल्य है। चीनी मिलें गन्ना किसानों को उनकी उपज के लिए यह मूल्य देने को कानूनी रूप से बाध्य हैं।

सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सीसीईए की बैठक के बाद संवाददाताओं को बताया कि मूल वसूली दर यानी प्रसंस्करण के दौरान गन्ने से प्राप्त चीनी 10.25 प्रतिशत रहने पर 355 रुपए प्रति क्विंटल का एफआरपी स्वीकृत किया गया है।

बयान में कहा गया कि गन्ने से चीनी प्राप्ति 10.25 प्रतिशत से अधिक होने पर प्रत्येक 0.1 प्रतिशत वृद्धि के लिए किसानों को 3.46 रुपए प्रति क्विंटल का प्रीमियम दिया जाएगा।

इसी तरह दर कम होने पर प्रत्येक 0.1 प्रतिशत कमी के लिए एफआरपी में 3.46 रुपए प्रति क्विंटल की कमी की जाएगी।

इस तरह 9.5 प्रतिशत की दर पर किसानों को 329.05 रुपए प्रति क्विंटल की दर से भुगतान किया जाएगा। इससे कम चीनी प्राप्ति की दर होने पर आगे कोई कटौती नहीं की जाएगी और न्यूनतम 329.05 रुपए प्रति क्विंटल का भुगतान हर हाल में किसानों को किया जाएगा।

बयान के अनुसार चीनी सत्र 2025-26 के लिए गन्ने की उत्पादन लागत 173 रुपए प्रति क्विंटल है। ऐसे में 10.25 प्रतिशत चीनी प्राप्ति दर पर 2025-26 के लिए निर्धारित 355 रुपए प्रति क्विंटल का एफआरपी उत्पादन लागत से 105.2 प्रतिशत अधिक है।

चीनी एक महत्वपूर्ण कृषि आधारित क्षेत्र है, जो लगभग पांच करोड़ गन्ना किसानों और उनके आश्रितों तथा चीनी मिलों में सीधे तौर पर काम करने वाले लगभग पांच लाख श्रमिकों की आजीविका का इंतजाम करता है। इसके अलावा खेतिहर मजदूर और परिवहन सहित विभिन्न सहायक गतिविधियों में शामिल लोग इससे प्रभावित होते हैं।

आचार्यश्री पार्श्वचन्द्र की निश्रा में वर्षीतप के 263 तपस्वियों का पारणा संपन्न

श्रेयांस पारणा समिति ने किया आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर की श्रेयांस पारणा समिति द्वारा आचार्य पार्श्वचंद्रजी, डॉ. पदमचंद्रमुनिजी आदि के साथ ही साध्वीगण, समणीवृंद के सान्निध्य में अक्षय तृतीया के अवसर पर बुधवार को 263 वर्षीतप आराधकों का पारणा महोत्सव पैलेस ग्राउंड स्थित त्रिपुरावासिनी सभागार में आयोजित हुआ। इस मौके पर जयधुरंधरमुनिजी ने अक्षय तृतीया के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रथम तीर्थंकर आदिनाथ भगवान द्वारा किए गए वर्षीतप की साधना के प्रति अहोभाव रखते हुए इसे अक्षुण्ण बनाने वाले वर्षीतप के आराधक तपस्वियों ने जिनशासन की धर्म ध्वजा लहराई है। जयपुरंदरमुनिजी ने कहा कि पाँचों इंद्रियों को वश में करने के लिए रसनेन्द्रिय पर विजय सर्वप्रथम आवश्यक है।

इस अवसर पर जय आचार्य पद प्रदान दिवस एवं आचार्य लाल स्मृति दिवस के अवसर पर आचार्यश्री जयमलजी एवं आचार्यश्री लालचंदजी के भी गुणों पर प्रकाश डाला गया। साध्वीश्री शशिप्रभा ने तप अनुमोदना की भावपूर्ण गीतिका प्रस्तुत की। जैन समणी निदेशिका डॉ. सुयशनिधिश्री ने आदिनाथ भगवान की दीक्षा उपरांत 400 दिनों के पश्चात श्रेयांस राजकुमार द्वारा प्रथम पारणे का रोचक वर्णन किया। मुमुक्षु दिलीपकुमार धोका ने संसार की असारता का वर्णन करते हुए 11 जून को रायचूर में आचार्यश्री के सान्निध्य में होने वाले उनके दीक्षा महोत्सव में आने के लिए आमंत्रण दिया। प्रातः 8.30 बजे तपस्वियों की अत्यंत सादगीमय शोभा यात्रा निकाली गई।

समिति के चेयरमैन रमेशचंद सियाल ने स्वागत किया। जेके महावीरचंद चोरड़िया ने आचार्य पार्श्वचंद्रजी एवं साधु साध्वी समणीवृंद की प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की। उन्होंने लाभार्थियों, सभी कार्यकर्ताओं तथा महोत्सव आयोजन में रेवन्तमल नाहर एवं मीठालाल लोढ़ा के मार्गदर्शन हेतु आभार व्यक्त किया। आचार्यश्री द्वारा अनेक वर्षों से वर्षीतप आराधक जयधुरंधरमुनिजी, साध्वी शशिप्रभाश्री, सोलह वर्षीतप आराधना कर चुकी साध्वी इंदुप्रभाश्री, आठ वर्षीतप आराधिका डॉ. श्रीनिधिश्री, समणी डॉ. सुगमनिधिश्री ने एवं अनेक वर्षीतप आराधकों ने आगामी वर्षीतप आराधना हेतु प्रत्याख्यान ग्रहण किए। संगीतकार सुमित गेमावत ने एक दिन पूर्व आयोजित संगीत संध्या पर भजनों की प्रस्तुति दी। इस अवसर पर समिति के सहचेयरमैन मीठालाल लोढ़ा एवं समिति सदस्य राजेन्द्र कुमार नाहर, पदमचंद रातड़िया, महावीरचंद श्रीश्रीमाल, महेंद्र चोरड़िया, कोमलचंद धोका, रोशनलाल नाहर, रमेश कुमार गुगलिया, उत्तमचंद कोठारी, महेन्द्र कुमार मेहता, भंवरीलाल चोरड़िया, प्रकाशचंद टोडरवाल ने अपनी सेवाएं दी। तपस्वियों के एकांतर पारणा हेतु निःशुल्क स्थल उपलब्ध कराने के लिए जेपीपी अहिंसा रिसर्च फाउंडेशन को समिति ने धन्यवाद दिया। कार्यक्रम का संचालन मनोहरलाल डूंगरवाल ने किया।

नवजोत सिंह सिद्धू ने सक्रिय राजनीति में वापसी पर कहा : 'समय बताएगा'

अमृतसर/भाषा

क्रिकेटर से नेता बने नवजोत सिंह सिद्धू ने सक्रिय राजनीति में लौटने के सवाल पर बुधवार को कहा कि इस बारे में 'समय बताएगा।' कांग्रेस की पंजाब इकाई के पूर्व अध्यक्ष पिछले कई महीनों से पार्टी के कार्यक्रमों और गतिविधियों में हिस्सा नहीं ले रहे हैं। सिद्धू ने 2024 के लोकसभा चुनावों में भी प्रचार नहीं किया था।

सिद्धू ने बुधवार को अपना नया यूट्यूब चैनल 'नवजोत सिद्धू ऑफिशियल' शुरू किया।

सिद्धू ने इस अवसर पर कहा कि वह इस यूट्यूब चैनल पर अपने जीवन के अनुभवों, क्रिकेट व कमेंट्री, प्रेरक वार्ता, जीवनशैली के बारे में बात करेंगे लेकिन राजनीति के बारे में बात नहीं करेंगे।

सिद्धू ने यहां यूट्यूब चैनल शुरू करने के बाद मीडिया से कहा कि वह अपने जीवन का नया अध्याय शुरू करने जा रहे हैं।

सिद्धू ने कहा, मैं अपने विचार रखूंगा। इसमें मेरे जीवन के बारे में सब कुछ होगा, लेकिन राजनीति नहीं। उन्होंने यह भी कहा कि कई नेता ऐसे हैं, जिन्होंने राजनीति को व्यवसाय के तौर पर लिया।

सिद्धू ने कहा, मैंने लोगों के कल्याण के लिए राजनीति की। मेरे लिए यह कभी व्यवसाय नहीं रहा। चरित्र के साथ कोई समझौता नहीं किया। आप मेरे बच्चों से पूछ सकते हैं कि राजनीति से एक पैसा भी नहीं आया। सिद्धू ने 'इंडियन प्रीमियर लीग' (आईपीएल) 2024 सत्र में बतौर कमेंटेटेर वापसी की। उन्होंने कहा कि आईपीएल और क्रिकेट कमेंट्री उनकी जिंदगी है।

आईपीओ लाने के पहले मौजूदा शेयरधारकों के लिए डीमैट खाता अनिवार्य हो : सेबी

नई दिल्ली/भाषा। बाजार नियामक सेबी ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) दस्तावेज दाखिल करने से पहले कंपनी के निदेशकों, प्रमुख प्रबंधकीय कर्मियों और मौजूदा कर्मचारियों सहित चुनिंदा शेयरधारकों के लिए डीमैट रूप में शेयर रखने को अनिवार्य करने का बुधवार को प्रस्ताव रखा। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के इस प्रस्ताव को अगर लागू किया जाता है, तो भौतिक शेयर प्रमाणपत्रों से जुड़ी अक्षमताओं और जोखिमों को खत्म करने में मदद मिलेगी। भौतिक शेयरों के साथ चोरी, जालसाजी और हस्तांतरण और निपटान में देरी जैसे जोखिम जुड़े होते हैं। बाजार नियामक ने इस प्रस्ताव पर 20 मई तक सार्वजनिक टिप्पणियां मांगी हैं। सेबी ने अपने परामर्श पत्र में कहा, विभिन्न नियामकीय निर्देशों और सुविधा तंत्रों के बावजूद आईपीओ-पूर्व शेयरधारकों, जैसे निदेशकों, प्रमुख प्रबंधकीय कर्मियों वरिष्ठ प्रबंधन, विक्रेता शेयरधारकों और यहां तक कि पात्र संस्थागत खरीदारों के बीच भी भौतिक शेयरों की महत्वपूर्ण मात्रा बनी रहती है। इससे एक नियामकीय अंतराल पैदा होता है जो सूचीबद्धता के बाद भी भौतिक शेयरों की अच्छी मात्रा बनाए रखने की अनुमति देता है।

सोने की कीमतों में तेजी के बावजूद अक्षय तृतीया पर सोने की खरीदारी बढ़ी

नई दिल्ली/भाषा। दुनिया के सबसे बड़े स्वर्ण उपभोक्ता भारत में बुधवार को अक्षय तृतीया के अवसर पर सोने और चांदी की खरीदारी में तेजी आई। कीमतें अधिक होने के बावजूद मूल्यवान धातु की खरीद को लेकर आकर्षण बना हुआ है।

आभूषण विक्रेताओं के संगठन अखिल भारतीय रत्न एवं आभूषण घरेलू परिषद (जीजेसी) ने अनुमान लगाया है कि पिछले साल की तुलना में मूल्य के लिहाज से सोने की बिक्री में 35 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की जाएगी।

दिन के पहले पहर में दक्षिण भारत में उपभोक्ताओं की संख्या अधिक रही तथा महाराष्ट्र तथा उत्तरी राज्यों में भी शाम के समय तक इसमें वृद्धि होने की उम्मीद है।

देश के विभिन्न हिस्सों में सोने की कीमतें 99,500 रुपए से 99,900 रुपए प्रति 10 ग्राम के बीच रही, जो 2024 में अक्षय तृतीया पर 72,300 रुपए से 37.6 प्रतिशत अधिक है।

जीजेसी के चेयरमैन राजेश रोकड़े ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि जो उपभोक्ता ऊंचे दामों पर सोना खरीदने से हिचकिचा रहे थे, वे अब खरीदारी कर रहे हैं क्योंकि कीमतें उच्च स्तर पर जाने के बाद लगभग स्थिर हो गई हैं। उन्होंने कहा, '' हमें उम्मीद है कि सोने की बिक्री पिछले साल के 20 टन के स्तर पर स्थिर रहेगी। हालांकि, मूल्य के संदर्भ में, सोने की बिक्री में 35 प्रतिशत की वृद्धि होने की संभावना है।''

अक्षय तृतीया पर सोना खरीदना दक्षिण भारत में व्यापक रूप से प्रचलित परंपरा है, जो बढ़ती जागरूकता के साथ धीरे-धीरे पूरे देश में फैल गई है।

वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल (भारत) के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सचिन जैन ने कहा, '' सोने की कीमतों में वृद्धि के कारण खरीद क्षमता प्रभावित हुई है। हालांकि, अक्षय तृतीया के कारण खरीदारी का रुझान मजबूत है। उपभोक्ता खरीदारी करेंगे।''

पीएनजी ज्वैलर्स के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक सौरभ गाडगिल ने कहा कि सोने की कीमतें रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचने के बावजूद उपभोक्ता धारणा सकारात्मक बनी हुई है। सोने, हीरे तथा चांदी के आभूषणों में लगातार रुचि बनी हुई है।

गाडगिल ने कहा, '' हालांकि मात्रा के हिसाब से वृद्धि में आठ से नौ प्रतिशत की मामूली गिरावट देखी जा सकती है, लेकिन मूल्य के हिसाब हमें 20-25 प्रतिशत की वृद्धि की उम्मीद है जो बाजार के मजबूत होने का एक अच्छा संकेत है।''

जीएसआई इंडिया के प्रबंध निदेशक रमित कपूर ने प्रमुख भारतीय बाजारों में जड़ाऊ आभूषणों की मांग में बढ़ोतरी की बात कही, जबकि औकेरा की सीईओ लिसा मुखेदकर ने इस वर्ष उत्सव के दौरान प्रयोगशाला में बने हीरों को लेकर बढ़ती रुचि का उल्लेख किया।

अखिल भारतीय आभूषण एवं स्वर्णकार महासंघ के अध्यक्ष पंकज अरोड़ा ने अनुमान लगाया है कि लगभग 12 टन सोना बिकेगा, जिसकी कीमत लगभग 12,000 करोड़ रुपए होगी। करीब 400 टन चांदी बिकेगी, जिसकी कीमत 4,000 करोड़ रुपए होगी। इस प्रकार कुल 16,000 करोड़ रुपए का कारोबार होने का अनुमान है।

विशेषज्ञों का कहना है कि पिछले तीन वर्ष में सोने की मांग में कमी नहीं आई है, जबकि इसका भाव रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है।

भारत सालाना 700-800 टन सोना आयात करता है।

786 पाकिस्तानी भारत से गए, 1,465 भारतीय पाकिस्तान से स्वदेश लौटे

नई दिल्ली/भाषा। पहलगाम आतंकवादी हमले के मद्देनजर जारी सरकारी आदेश के बाद पिछले छह दिनों में 55 राजनयिकों, उनके आश्रितों और सहायक कर्मचारियों सहित 786 पाकिस्तानी नागरिक अटारी-वाघा सीमा के जरिए भारत छोड़ चुके हैं। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी।

उनके मुताबिक, इनके अलावा पाकिस्तानी वीजा धारक आठ भारतीय भी पड़ोसी मुल्क चले गए हैं।

इसके अलावा 24 अप्रैल से अब तक पंजाब से लगी अंतरराष्ट्रीय सीमा के जरिए पाकिस्तान से भारत में कुल 1,465 भारतीय आए हैं, जिनमें 25 राजनयिक और अधिकारी शामिल हैं। इसके अतिरिक्त दीर्घकालिक भारतीय वीजा धारक 151 पाकिस्तानी नागरिक भी भारत आए हैं।

सरकार ने पाकिस्तानी नागरिकों को 'भारत छोड़ो' नोटिस तब जारी किया था जब 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पाकिस्तान से जुड़े आतंकवादियों ने 26 लोगों की हत्या कर दी थी, जिनमें अधिकतर पर्यटक थे।

दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (दक्षेस) वीजा धारकों के लिए भारत छोड़ने की अंतिम तिथि 26 अप्रैल थी। मेडिकल वीज़ा धारकों के लिए देश छोड़ने की अंतिम तिथि 29 अप्रैल थी।

अन्य 12 श्रेणियों के वीज़ा धारकों के लिए देश छोड़ने की अंतिम तिथि 27 अप्रैल थी। इन श्रेणियों में आगमन पर वीज़ा तथा व्यवसाय, फिल्म, पत्रकार, पारगमन, सम्मेलन, पर्वतारोहण, छात्र, आगंतुक, समूह पर्यटक, तीर्थयात्री और समूह तीर्थयात्री वीजा शामिल हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

पाकिस्तान के पक्ष में बोलने वाला कोई भी व्यक्ति गलत है, यह देशद्रोह के बराबर : सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने बुधवार को कहा कि अगर कोई व्यक्ति पाकिस्तान के पक्ष में बोलता है, तो वह गलत है और ऐसा करना देशद्रोह के बराबर है।

सिद्दरामय्या ने कहा कि मंगलूरु में कथित तौर पर 'पाकिस्तान जिंदाबाद' का नारा लगाने वाले एक व्यक्ति की भीड़ द्वारा हत्या किए जाने के संबंध में जांच जारी है।

सिद्दरामय्या ने मंगलूरु में कथित तौर पर 'पाकिस्तान जिंदाबाद' का नारा लगाने पर एक व्यक्ति की हत्या पर संवाददाताओं के सवाल का जवाब देते हुए कहा, अगर पाकिस्तान जिंदाबाद का नारा लगाया गया तो यह गलत है, चाहे वह कोई भी हो। जांच अभी जारी है, मामला दर्ज कर लिया गया है, रिपोर्ट आने दीजिए। यह स्पष्ट हो जाएगा कि किसके खिलाफ क्या कार्रवाई की जानी चाहिए।

उन्होंने कहा, ''अगर कोई पाकिस्तान के पक्ष में बोलता है तो यह गलत है, यह देशद्रोह है।'' गृह मंत्री जी परमेश्वर ने कहा कि मंगलूरु में एक व्यक्ति की भीड़ द्वारा हत्या कर दी गई और इस घटना के संबंध में पूछताछ के दौरान आरोपियों ने यह दावा किया कि मृतक ने 'पाकिस्तान जिंदाबाद' का नारा लगाया था।

उन्होंने कहा, 'इस मामले की जांच की जा रही है... अब तक करीब 20 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है।' उन्होंने बताया कि पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि मृतक कौन था, कहां से आया था और उसका क्या इतिहास था। इस संदर्भ में, क्रिकेट मैच खेलने गए लोगों से भी पूछताछ की जा रही है, क्योंकि वे घटना के समय आसपास थे।

जब गृह मंत्री परमेश्वर से पूछा गया कि क्या मृतक व्यक्ति केरल के वायनाड का था, तो उन्होंने कहा कि इस तरह की जानकारी है, लेकिन इसकी पुष्टि करने की आवश्यकता है। इसके लिए मृतक की पहचान स्थापित की जाएगी और उसके परिवार से संपर्क किया जाएगा। जब उनसे यह सवाल पूछा गया कि क्या पुलिस की तरफ से कोई चूक हुई है, क्योंकि कुछ खबरों में यह दावा किया गया था कि पहले इसे आत्महत्या के रूप में पेश करने की कोशिश की गई, तो उन्होंने कहा, हमें ऐसी कोई जानकारी नहीं है। अगर ऐसा कुछ है, तो वह जांच से सामने आएगा। अगर पुलिस की कोई चूक पाई जाती है, तो उचित कार्रवाई की जाएगी।

गृह मंत्री ने आश्वस्त किया कि इस मामले को गंभीरता से लिया जा रहा है और इस बारे में कोई भी संशय नहीं होना चाहिए कि इसे हल्के में लिया जा रहा है। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान अशरफ के रूप में हुई है, जो केरल के वायनाड जिले के सुलतान बैथेरी तालुक के पुलपल्ली गांव का निवासी था। पुलिस ने बताया कि यह घटना 27 अप्रैल को मंगलूरु के बाहरी इलाके कुडुपु गांव में भात्रा कल्लुर्ती मंदिर के पास एक क्रिकेट मैच के दौरान हुई थी। पुलिस ने बताया कि अशरफ पर कथित तौर पर लाठियों से हमला किया गया, जिससे उसे चोटें आईं और आंतरिक रक्तस्राव हुआ। उसे अस्पताल में मृत घोषित कर दिया गया था।

जाति जनगणना पर चर्चा के लिए मंत्रिमंडल की विशेष बैठक की तारीख अभी तय नहीं : परमेश्वर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने बुधवार को कहा कि सामाजिक और शैक्षिक सर्वेक्षण रिपोर्ट पर चर्चा के लिए राज्य मंत्रिमंडल की विशेष बैठक स्थगित कर दी गई है और अभी कोई तारीख तय नहीं की गई है। मंत्रिमंडल के दो मई को सर्वेक्षण रिपोर्ट पर चर्चा किए जाने की संभावना थी। परमेश्वर ने एक सवाल पर कहा, इस पर (जाति जनगणना पर) चर्चा के लिए अभी तारीख तय नहीं की गई है। इस पर दो मई को चर्चा करने का विचार था, लेकिन अभी तारीख तय नहीं की गई है।

उन्होंने यहां पत्रकारों से बातचीत में कहा, ''नौ मई को मंत्रिमंडल की नियमित बैठक होती है, लेकिन जाति जनगणना पर चर्चा के लिए अलग से मंत्रिमंडल की बैठक होगी। बैठक को स्थगित कर दिया गया है और तारीख अभी तय नहीं हुई है।''

जाति जनगणना रिपोर्ट पर आंतरिक मतभेदों के बीच, इस पर चर्चा के लिए 17 अप्रैल को राज्य मंत्रिमंडल की विशेष बैठक में कोई फैसला नहीं हो पाया। बैठक के बाद विधि एवं संसदीय कार्य मंत्री एच के पाटिल ने कहा था कि मंत्रिमंडल ने सर्वेक्षण के लिए इस्तेमाल किए गए मापदंडों पर चर्चा की और वरिष्ठ अधिकारियों से अधिक जानकारी तथा तकनीकी विवरण मांगे। उन्होंने कहा था कि मंत्रिमंडल दो मई को एक बार फिर सर्वेक्षण रिपोर्ट पर चर्चा करेगी और उस पर निर्णय लेगी। सूत्रों के अनुसार, 17 अप्रैल को कुछ मंत्रियों ने सर्वेक्षण रिपोर्ट पर आपत्ति जताई थी, जिसमें कई तरफ से व्यक्त की गई चिंताओं का हवाला देते हुए इसे अवैज्ञानिक और अप्रासंगिक बताया गया था। इसके बाद मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने सभी मंत्रियों से लिखित या मौखिक रूप से अपनी राय देने को कहा।

कर्नाटक के विभिन्न समुदायों, विशेषकर दो प्रमुख समुदायों वोक्कालिगा और वीरशैव-लिंगायत ने इस सर्वेक्षण पर कड़ी आपत्ति जताते हुए इसे ''अवैज्ञानिक'' बताया तथा मांग की है कि इसे खारिज किया जाए एवं एक नया सर्वेक्षण कराया जाए। समाज के विभिन्न वर्गों द्वारा भी इस पर आपत्ति जताई गई है तथा सत्तारूढ़ कांग्रेस के भीतर से भी इसके खिलाफ तीखी आवाजें उठ रही हैं।

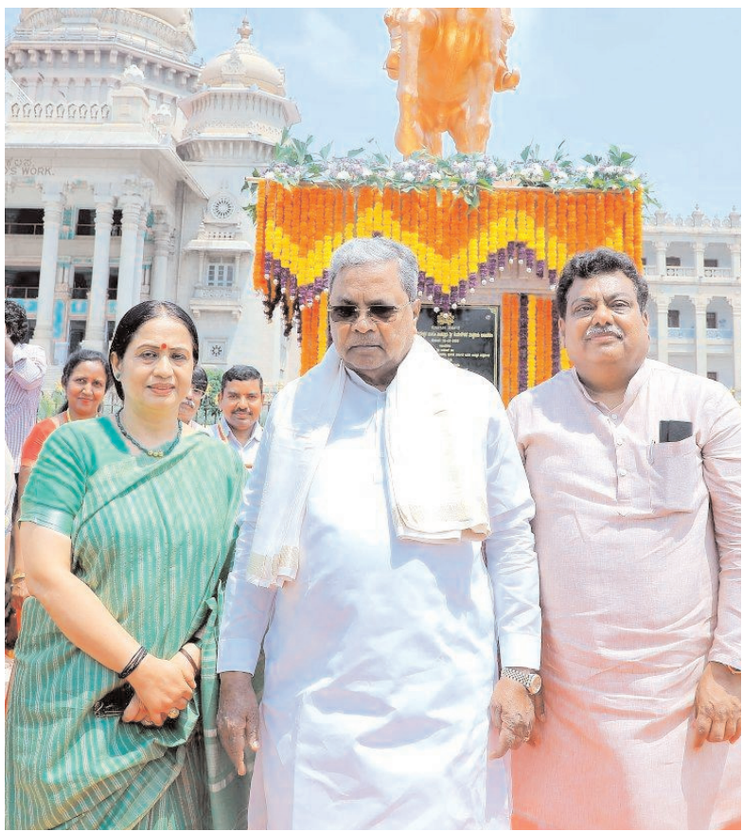

श्रद्धांजलि

बेंगलूरु में बसवा समिति द्वारा आयोजित बसवा जयंती कार्यक्रम के दौरान विश्वगुरु बसवेश्वर को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या।

हिंदुओं को आत्मरक्षा के लिए घर में तलवारें और चाकू रखने चाहिए : आरएसएस नेता

मंगलूरु। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के वरिष्ठ नेता के. प्रभाकर भट ने हाल ही में पहलगाम में हुए आतंकी हमले का हवाला देते हुए सुझाव दिया कि हिंदुओं को आत्मरक्षा के लिए घर में तलवार और चाकू रखने चाहिए। केरल के कासरगोड जिले के मंजेश्वर के वर्कडी में सोमवार को एक कार्यक्रम में भट ने कहा, हर हिंदू के घर में तलवार होनी चाहिए। अगर पहलगाम हमले के दौरान हिंदुओं ने तलवार दिखाई होती, तो वह काफी होता। उन्होंने महिलाओं से भी आग्रह किया कि वे अपने बैग में सामान्य सामान के साथ चाकू भी रखें। आरएसएस नेता ने दावा किया कि छह इंच का चाकू रखने के लिए 'लाइसेंस' की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा, अगर आप शाम के बाद बाहर हैं, तो हमला होने की पूरी संभावना है। हमलावरों से विनती न करें – बस चाकू दिखाएं और वे भाग जाएंगे। पिछले सांप्रदायिक तनावों का जिक्र करते हुए भट ने कहा, पहले हिंदू-मुस्लिम झड़पों के दौरान हिंदू भाग जाते थे। अब यह बदल रहा है। हमें उठ खड़ा होना चाहिए और हर किसी को घर पर तलवार रखनी चाहिए। इस टिप्पणी पर अभी तक पुलिस की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

मंगलूरु हत्या मामला

मृतक की पहचान वायनाड निवासी के रूप में हुई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंगलूरु। मंगलूरु में कथित तौर पर भीड़ के हाथों मारे गए व्यक्ति की पहचान वायनाड के निवासी के रूप में हुई है। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने एक बयान में बताया कि मृतक की पहचान केरल के वायनाड जिले के सुल्तान बाथरी तालुक के पुलपल्ली गांव के निवासी अशरफ के रूप में हुई है। कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने मंगलवार को कहा था कि पीड़ित ने 27 अप्रैल को एक स्थानीय क्रिकेट मैच के दौरान कथित तौर पर 'पाकिस्तान जिंदाबाद' के नारे लगाए थे।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि घटना मंगलूरु के बाहरी इलाके कुडुपु गांव में भात्रा कल्लुर्ती मंदिर के पास हुई। पुलिस ने बताया कि अशरफ पर कथित तौर पर लाठी से हमला किया गया, जिससे उसे कई जगह चोट आईं, अंदरूनी रक्तस्राव हुआ तथा वह सदमे में चला गया। पुलिस ने बताया कि अस्पताल में उसे मृत घोषित कर दिया गया। अधिकारियों ने उसके परिवार को सूचित कर दिया है, जो आधिकारिक पहचान और कानूनी औपचारिकताओं को पूरा करने के लिए जल्द मंगलूरु पहुंचेंगे।

इस बीच मामले के सिलसिले में पांच और लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इन्हें मिला कर अब तक मामले में गिरफ्तार किए गए लोगों की संख्या 20 हो गई है। पुलिस ने कहा कि अन्य संदिग्धों की संलिप्तता का पता लगाने और सभी अपराधियों को न्याय के कठघरे में लाने के लिए जांच जारी है।

देश की भावनाओं को समझकर राष्ट्र की सुरक्षा के लिए सही कदम उठाएं प्रधानमंत्री मोदी : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पहलगाम आतंकी हमले के मद्देनजर बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से देश की भावनाओं को समझकर मौजूदा स्थिति में किसी भी कार्रवाई के लिए राजनीतिक दलों द्वारा उन्हें दिए गए अधिकार का उपयोग करते हुए देश की सुरक्षा के लिए जल्द से जल्द सही कदम उठाने का आग्रह किया।

कांग्रेस प्रमुख ने सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री को निशाना बनाकर पार्टी के 'गायब' पोस्ट पर उठे विवाद के बीच आतंकवादी हमले पर चर्चा करने और सामूहिक संकल्प प्रदर्शित करने के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाने की अपनी मांग दोहराते हुए कहा कि किसी की गरिमा या छवि को कोई नुकसान पहुंचाने का कोई प्रयास नहीं किया जाना चाहिए।

खरगे ने संसद के विशेष सत्र की मांग पर पूछे गए सवाल पर कहा, सभी दलों को एक साथ होना चाहिए। सत्र बुलाया जाना चाहिए और प्रधानमंत्री को उसमें उपस्थित होना चाहिए। प्रधानमंत्री ने क्या कदम उठाए हैं या उठाने की योजना बना रहे हैं। उन्हें सदस्यों को इसकी जानकारी देने की जरूरत नहीं है, क्योंकि ऐसी बातों को गुप्त रखकर ही अभियान चलाना होता है।

कांग्रेस प्रमुख ने कहा, लेकिन मौजूदा स्थिति और उनके (प्रधानमंत्री के) मन में क्या चल रहा है, इस बारे में उन्हें कम से कम सत्र के दौरान सदन के नेताओं की बैठक बुलानी चाहिए और उनसे बात करनी चाहिए। उन्होंने यहां पत्रकारों से कहा, हमने उन्हें (केंद्र सरकार को) पहले ही पूरा अधिकार दे दिया है और उनसे कहा है कि वे सुनिश्चित करें कि भारत के लोगों और सैनिकों को कोई परेशानी न हो और हमें भी कोई झटका न लगे। हमने उन्हें पाकिस्तान को नियंत्रण में रखने के लिए पूरा समर्थन दिया है।

खरगे ने कहा, हम उम्मीद करते हैं कि प्रधानमंत्री लोगों की राय और देश में मौजूद भावनाओं को समझेंगे तथा मौजूदा स्थिति में किसी भी अभियान को अंजाम देने के लिए सभी दलों द्वारा उन्हें दिए गए अधिकार का उपयोग करेंगे व अपना काम करेंगे। उन्हें जल्द से जल्द देश की सुरक्षा के लिए सही कदम उठाना चाहिए। खरगे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पहले ही प्रधानमंत्री मोदी को पत्र लिखकर संसद का विशेष सत्र बुलाने के लिए कह चुके हैं।

यह पूछे जाने पर कि क्या प्रधानमंत्री के खिलाफ सोशल मीडिया पर 'गायब' पोस्ट के कारण कांग्रेस को किरकिरी का सामना करना पड़ा है, खरगे ने कहा, 'मैंने इसे नहीं देखा है, मैं क्या कह सकता हूं।' उन्होंने कहा, 'लेकिन, कोई भी व्यक्ति, चाहे वह कोई भी हो, फिर चाहे प्रधानमंत्री हो या कोई अन्य नेता, किसी को भी उनकी गरिमा या छवि को नुकसान पहुंचाने का कोई प्रयास नहीं करना चाहिए। कोई भी करे, चाहे वो (भाजपा) करें या हमारे लोग (कांग्रेस), ये ठीक नहीं है।'

कांग्रेस की ओर से सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर किए गए एक पोस्ट में प्रधानमंत्री मोदी का नाम लिए बिना उनकी किसी पुरानी तस्वीर को दिखाया गया था जिसमें केवल परिधान दिखाई दे रहे थे और उनका शरीर दिखाई नहीं दे रहा है। इस तस्वीर में 'ऊपर गायब' लिखा था और शीर्षक था, ''जिम्मेदारी के समय गायब''।

कड़ी प्रतिक्रिया जताए जाने पर बाद में कांग्रेस ने इस पोस्ट को हटा दिया। देश में मौजूदा हालात के मद्देनजर पार्टी नेताओं द्वारा दिए जा रहे विवादित बयानों और उन्हें दिए गए निर्देशों के बारे में पूछे जाने पर खरगे ने कहा, हमने पहले ही निर्देश दे दिए हैं। आपको इसकी जानकारी है।

एनएचआरसी ने नाबालिग से बलात्कार, हत्या और मुठभेड़ में आरोपी की मौत पर नोटिस जारी किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने बुधवार को कहा कि उसने कर्नाटक सरकार और राज्य के पुलिस प्रमुख को हुबली में एक लड़की के अपहरण, बलात्कार और हत्या तथा ''पुलिस मुठभेड़'' में आरोपी की मौत से संबंधित खबरों पर नोटिस जारी किया है। एनएचआरसी ने चार सप्ताह के भीतर रिपोर्ट में दोनों मृतकों की ''पोस्टमार्टम जांच'' और मजिस्ट्रेट की ''जांच रिपोर्ट'' प्रस्तुत करने को कहा है।

बयान में कहा गया कि एनएचआरसी ने कर्नाटक के हुबली में एक नाबालिग लड़की के अपहरण, बलात्कार और हत्या तथा गिरफ्तार आरोपी की पुलिस मुठभेड़ में मौत के बारे में मीडिया की खबर का स्वत: संज्ञान लिया है।

एनएचआरसी ने कहा है कि यदि समाचार की विषय-वस्तु सही है, तो यह पीड़ित नाबालिग लड़की तथा कथित मुठभेड़ में मारे गए गिरफ्तार संदिग्ध अपराधी के मानवाधिकारों का ''गंभीर उल्लंघन'' दर्शाता है। एनएचआरसी ने कहा कि इसलिए उसने कर्नाटक के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक को नोटिस जारी कर चार सप्ताह के भीतर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है।

बयान में कहा गया है कि 14 अप्रैल को मीडिया में प्रकाशित समाचार के अनुसार, लड़की का शव मिलने के तुरंत बाद लोगों ने आरोपी की गिरफ्तारी की मांग को लेकर अशोक नगर थाने के बाहर प्रदर्शन किया। एनएचआरसी ने कहा, कथित तौर पर, घटना के कुछ ही घंटों के भीतर आरोपी को पुलिस ने पकड़ लिया था और पूछताछ के लिए

कर्नाटक उच्च न्यायालय ने एमनेस्टी इंडिया के खिलाफ ईडी के धनशोधन मामले पर रोक लगाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने एमनेस्टी इंटरनेशनल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (एआईआईपीएल) और इसके पूर्व प्रमुख आकार पटेल के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की धनशोधन कार्यवाही पर अंतरिम रोक लगा दी है। साल 2022 की अभियोजन शिकायत से संबंधित यह मामला अगले आदेश तक स्थगित रहेगा। न्यायमूर्ति हेमंत चंदनगौदर ने हाल ही में एआईआईपीएल और पटेल दोनों को अस्थायी राहत दी, ईडी को धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत अपनी जांच को आगे बढ़ाने से रोकने का निर्देश दिया। अदालत ने ईडी को नोटिस जारी कर मामले को रद्द करने की मांग करने वाली दो याचिकाओं का जवाब देने का निर्देश दिया।

इससे पहले ईडी ने मई 2022 में पटेल, एआईआईपीएल और पूर्व सीईओ जी अनंतपद्मनाभन समेत कई व्यक्तियों के खिलाफ विदेशी अंशदान (विनियमन) अधिनियम (एफसीआरए) के कथित उल्लंघन और धनशोधन गतिविधियों से जुड़ी शिकायत दर्ज की थी। मामला 2019 में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा एमनेस्टी इंटरनेशनल इंडिया फाउंडेशन ट्रस्ट (एआईआईएफटी) के खिलाफ दर्ज की गई प्राथमिकी से जुड़ा है, जिसमें संगठन पर एफसीआरए मानदंडों का उल्लंघन करने का आरोप लगाया गया था। बाद में ईडी ने यह दावा करते हुए जांच अपने हाथ में ले ली थी कि एमनेस्टी इंडिया ने अपने ब्रिटिश समकक्ष से वाणिज्यिक माध्यमों से धन प्राप्त किया, जिसका उद्देश्य कथित तौर पर एफसीआरए प्रतिबंधों को दरकिनार करना था। उच्च न्यायालय ने स्थगन आदेश जारी करते हुए कहा कि न्यायमूर्ति एस.आर. कृष्ण कुमार की अध्यक्षता वाली एक अन्य पीठ ने भी फरवरी महीने में अनंतपद्मनाभन को इसी प्रकार का अंतरिम आदेश जारी किया था। उच्च न्यायालय ने कहा कि चूंकि पटेल और एआईआईपीएल के खिलाफ आरोप पिछले मामले के आरोपों से मेल खाते थे, इसलिए अदालत ने उन्हें समान संरक्षण प्रदान करना उचित समझा। अदालत ने कहा, याचिकाकर्ताओं के वकील ने बताया कि संबंधित मामले में सह-आरोपियों में से एक को पहले ही अंतरिम राहत दी जा चुकी है। चूंकि आरोप समान हैं, इसलिए अगली सुनवाई तक अन्य याचिकाकर्ताओं के लिए भी अंतरिम आदेश दिया जाता है।

मंगलूरु में 'राष्ट्र-विरोधी पोस्ट' को लेकर चिकित्सक के खिलाफ मामला दर्ज

मंगलूरु। मंगलूरु पुलिस ने सोशल मीडिया पर राष्ट्र-विरोधी' पोस्ट करने के आरोप में एक निजी अस्पताल की चिकित्सक के खिलाफ मामला दर्ज किया है, जिसके बाद अस्पताल ने चिकित्सक को निलंबित कर दिया। इस घटना को लेकर लोगों विशेषकर दक्षिणपंथी संगठनों ने आक्रोश प्रकट किया है। पुलिस आयुक्त अनुपम अग्रवाल ने पुष्टि की है कि एक्स' पर कथित राष्ट्र विरोधी पोस्ट के मामले में पुलिस ने स्वत: संज्ञान लेते हुए भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 196(1)(ए) और 353(2) के तहत मामला दर्ज किया है और मामले की जांच की जा रही है। उन्होंने बताया कि चिकित्सक को नोटिस दिया गया है।

उसका मोबाइल फोन जब्त करके उसकी जांच की जा रही है। इस बीच, अस्पताल प्रबंधन ने चिकित्सक को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। चिकित्सक ने पोस्ट में कथित तौर पर लिखा था, मैं भारत से घृणा करती हूं। अस्पताल के मानव संसाधन (एचआर) प्रतिनिधि द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर पंडेश्वर थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई।

जाति जनगणना कराने का केंद्र का फ़ैसला ऐतिहासिक : रवि कुमार

बेंगलूरु । जातिगत जनगणना कराने के केंद्र के ऐतिहासिक फैसले का कर्नाटक विधान परिषद में विपक्ष के मुख्य सचेतक एन. रवि कुमार ने स्वागत किया। उन्होंने पार्टी मुख्यालय जगन्नाथ भवन में पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि केन्द्र सरकार की इस अद्भुत पहल से सम्पूर्ण जातियों के लिए विकास योजनाएं बनाने और नीतियां विकसित करने में मदद मिलेगी, खासकर अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, अन्य पिछड़ा वर्ग व समाज के कमजोर और वंचित वर्ग के लिए।

रवि कुमार ने कहा, विशेष रूप से, प्रस्तावित जाति जनगणना सामाजिक और शैक्षिक क्षेत्रों में लोगों की जरूरतों का ख्याल रखेगी। उन्होंने कहा कि पूरे देश के लोग इस ऐतिहासिक फैसले से खुश हैं। रवि कुमार ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र की भाजपा सरकार ने समाज के हर वर्ग और तबके के चेहरे पर मुस्कान ला दी है।

अभिषेक

कांचीपुरम में कांची कामकोटि पीठम में संन्यास प्रवेश महोत्सव के दौरान 70वें आचार्य ने 71वें आचार्य सत्य चंद्रशेखरेंद्र सरस्वती का अभिषेक किया।

केंद्र व राज्य सरकार शिक्षा को आगे बढाने के लिए संकल्पबद्ध : संजय शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पर्यावरण एवं वन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने बुधवार को राजकीय राजऋषि महाविद्यालय, अलवर में विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण व शिलान्यास किया एवं भामाशाह सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। शर्मा ने कहा कि राजऋषि महाविद्यालय का शिक्षा के क्षेत्र में गौरवशाली इतिहास रहा है।

उन्होंने महाविद्यालय के विकास में योगदान देने वाले खासतौर पर महाविद्यालय में प्रकृति संरक्षण के कार्य कराने वाले भामाशाहों व महाविद्यालय स्टाफ को साधुवाद दिया। उन्होंने कहा कि केंद्र व राज्य सरकार शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषय पर संकल्पबद्ध होकर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति आधुनिक शिक्षा की मांग के अनुरूप होने के साथ भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों को आगे बढाने वाली है। उन्होंने अलवर शहर में पटरी पार क्षेत्र में बेटियों के लिए महाविद्यालय खुलवाने की मांग इस बजट में पूरी होने, बेटियों के लिए सैनिक स्कूल, राजगढ में केंद्रीय विद्यालय, पॉलीटेक्निक कॉलेज, पॉलीटेक्निक महाविद्यालय में सीट क्षमता में वृद्धि के लिए राज्य सरकार का आभार जताया। उल्लेखनीय है कि 15 करोड रूपये की राशि से अलवर में डिजिटल प्लेनेटेरियम बनाने का कार्य भी किया जा रहा है।

शर्मा ने महाविद्यालय में विधायक निधि कोष से बोरिंग करवाने, बेटियों के लिए पिंक टॉयलेट बनवाने व एक कॉमन टॉयलेट बनवाने के साथ महाविद्यालय में विभिन्न संकायों को जोड़ने वाली डामर सडकें बनवाने की घोषणा की। महाविद्यालय में अलवर सांसद एवं केंद्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव के सहयोग से ई-लाइब्रेरी बनवाने का विश्वास दिलाया।

शर्मा ने 44.85 लाख रूपये की लागत के स्मार्ट लैब, गर्ल्स कॉमन रूम, आईक्यूएसी कक्ष व रिसर्च लैब के नव निर्माण कार्य, 20 लाख रूपये की लागत से निर्मित वनस्पति शास्त्र उपकरण प्रयोगशाला व राजऋषि महाविद्यालय परिसर में रूसा योजनान्तर्गत 4 लाख रूपये की लागत से निर्मित योगा केंद्र, राजऋर्षि महाविद्यालय विकास समिति द्वारा 34.50 लाख रूपये की लागत से निर्मित सोलर प्लांट एवं वनस्पति उद्यान, 2.5 लाख रूपये की लागत से निर्मित रसायन विज्ञान उद्यान का लोकार्पण किया। वहीं 9.65 लाख रूपये की लागत से महाविद्यालय में बनने वाले प्राणीशास्त्र प्रयोगशाला के कार्य का शिलान्यास किया।

शर्मा ने राजऋषि महाविद्यालय में विभिन्न विकास कार्यों में सहयोग करने पर डॉ. अनिता गुप्ता, डॉ. अशोक नागर, डॉ. ममता तिवाडी, डॉ. ऋतु माथुर, डॉ. राजेन्द्र शर्मा, डॉ. राजेश मीना, डॉ. अर्चना वशिष्ठ, सूर्यकान्त भारद्वाज, अखिल भारतीय पर्यावरण एवं गौ संरक्षण मंच (अरनिमा सोशल वेल्फेयर फाउंडेशन), पायल सैनी लक्ष्मी बाई मार्शल आर्ट, किशन गुप्ता, जैन इरिगेशन, कृषि विपणन, यश बैंक, बैंक ऑफ बडोदा, केनरा बैंक के प्रतिनिधियों का दुपट्टा ओढाकर व प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मान किया। साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेने वाले विद्यार्थियों व महाविद्यालय के मेधावी विद्यार्थियों का भी प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मान किया।

जमवाय माता मंदिर को भी बनाया जाएगा भव्य : दीया कुमारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी बुधवार को सिंगोद गांव में कुलदेवी जमवाय माता मंदिर ग्राम सिंगोद में आयोजित प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान में सम्मिलित हुईं और उन्होंने कहा कि इस मंदिर को भी भव्य बनाया जाएगा। इस अवसर पर दीया कुमारी ने जमवाय माता के दर्शन एवं पूजा-अर्चना कर समस्त प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। इस मौके पर उपमुख्यमंत्री ने कहा कि डबल इंजन की सरकार लगातार विकास कार्यों में लगी हुई है।

उन्होंने कहा कि मां जमवाय का आशीर्वाद पूरे राजस्थान पर बना रहे। खुशी की बात है कि मां जमवाय माता मंदिर के लिए बड़ा बजट घोषित हुआ है और जल्द कार्य प्रारंभ हो जाएगा। पूर्व में जमवारामगढ़ स्थित मंदिर के लिए कार्य करने में कई अड़चनें आ रही थी लेकिन अब सड़कों का कार्य प्रारंभ हो चुका है और मंदिर को भी भव्य बनाया जाएगा।

इस अवसर पर त्रिवेणी धाम खोजीपीठाधीश्वर द्वारकाचार्यजी 1008 ओंकार दास महाराज, ट्रस्ट अध्यक्ष हरि सिंह शेखावत, मुख्य आयोजक दुर्गा सिंह शेखावत, धीरेंद्र सिंह शेखावत, पूर्व विधायक रामलाल शर्मा तथा ग्रामवासी एवं अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे।

दीया कुमारी ने झोटवाड़ा में सौ बेड के नवीन सेटेलाइट अस्पताल का किया शिलान्यास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर।राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने बुधवार को विद्याधरनगर विधानसभा क्षेत्र के झोटवाड़ा के पूर्व पंचायत समिति परिसर में सौ बेड के सेटेलाइट अस्पताल का शिलान्यास किया। उल्लेखनीय है कि बजट 2024-25 में 100 बेड का नवीन सेटेलाइट हॉस्पिटल स्वीकृत किया गया था। इस मौके सुदीया कुमारी ने कहा कि चुनाव के समय विद्याधरनगर के लोगों से किए गए वादे को पूरा किया जा रहा हैं। उन्होंने क्षेत्रवासियों से कहा आपने जीत में हमें वोटो की संख्या में नंबर वन बनाया, अब हमारा फर्ज है कि हम सब मिलकर विद्याधरनगर विधानसभा को नंबर वन बनाएं। उन्होंने कहा कि यह अस्पताल स्थानीय लोगों को कई विशेष चिकित्सा सुविधाऐं उपलब्ध कराएगा, जिसके चलते चिकित्सा क्षेत्र में आ रही परेशानियों से राहत मिलेगी। आसपास के इलाकों में भी लोगों की अन्य बड़े अस्पतालों पर निर्भरता कम होगी।

इसके साथ ही इस अवसर पर वार्ड संख्या 34 एवं वार्ड संख्या 37 में लगभग 10 करोड की लागत से होने वाले विकास कार्य और खिरनी फाटक से आर्मी एरिया तक 12.50 करोड़ की लागत से बनने वाले ड्रेनेज कार्य के प्रथम फेज का भी शिलान्यास किया गया। इस मौके पर कार्यक्रम में भाजपा जिला अध्यक्ष अमित गोयल, जिला उपाध्यक्ष चंद्रप्रकाश जी सैनी, मंडल अध्यक्ष माल सिंह शेखावत, मंडल अध्यक्ष अशोक शर्मा, मंडल अध्यक्ष जयंत कुमावत, मंडल अध्यक्ष राकेश अग्रवाल, मंडल अध्यक्ष विनोद सैनी, जीएम आरएसआरडीसी सत्येंद्र सिंह, जन संघ कार्यकर्ता पवन शर्मा, समस्त पार्षद एवं पार्षद प्रत्याशी, पूर्व मंडल अध्यक्ष, मंडल पदाधिकारी, वार्ड अध्यक्ष, झोटवाड़ा एवं खातीपुरा व्यापार मंडल के पदाधिकारी, विकास समितियों के पदाधिकारी, मोर्चा पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं आमजन मौजूद थे।

घर-घर पढ़ा जाना चाहिए संविधान

राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने संविधान निर्माता डा भीमराव अम्बेडकर के विचारों को आत्मसात करने और समरस, समावेशी, समानता-आधारित समाज के निर्माण में अपना योगदान देने का आह्वान करते हुए कहा है कि हमें सिर्फ पखवाड़ा मना कर इति नहीं करनी चाहिए बल्कि घर-घर में संविधान पढ़ना और हर व्यक्ति को संविधान की जानकारी होनी चाहिए।

दीया कुमारी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा चलाए जा रहे राष्ट्रव्यापी अंबेडकर सम्मान पखवाड़ा' के तहत बुधवार को विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र के अंबेडकर सर्किल पर आयोजित विचार संगोष्ठी में यह बात कही। उन्होंने बाबा साहेब के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर संविधान निर्माण में उनके अतुलनीय योगदान को स्मरण किया।

जोधपुर में नकली करेंसी गैंग का भंडाफोड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। जोधपुर की मंडोर मंडी में पुलिस ने एक ऐसे गिरोह का पर्दाफाश किया है, जो 500-500 के नकली नोटों की गड्डियों से बाजार को ठगने का काम कर रहा था। इस ऑपरेशन में पुलिस के हाथ लगे हैं 7.50 लाख रुपए के जाली नोट और दो ऐसे शातिर दिमाग, जो दो लाख में 10 लाख की नकली करेंसी बाजार में उतारने की फिराक में थे।

इस गिरोह ने अपराध की नींव एक किराए के कमरे में रखी थी, जो मंडी की एक दुकान के ऊपर बना हुआ था। यहां रंगीन प्रिंटर, स्कैनर, पेपर कटिंग मशीन और कंप्यूटर सिस्टम के सहारे जालसाज नकली करेंसी छाप रहे थे। इतने पेशेवर तरीके से नकली नोट तैयार किए गए कि पहली नजर में असली और नकली में फर्क कर पाना मुश्किल था।

गैंग का मॉडल सिंपल था लेकिन खतरनाक2 लाख रुपए दो और बदले में 10 लाख की नकली करेंसी ले जाओ। यानी 500-500 के नोटों से भरे बैग, जिनकी कीमत सिर्फ कागज़ थी, लेकिन ये बाजार में चलाकर असली नोटों की जगह ले रहे थे। अंदेशा है कि ये गैंग बड़े व्यापारियों और नकद लेन-देन करने वालों को निशाना बना रही थी। पुलिस ने नागौर जिले के दो बदमाशोंश्रवण व्यास (28) और बाबूलाल प्रजापत (40)को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। दोनों मंडी के पास किराए पर कमरा लेकर यह धंधा चला रहे थे। पुलिस ने इनके कब्जे से नकली नोटों के साथ-साथ नकली नोट छापने की पूरी मशीनरी जब्त की है।

पूछताछ के दौरान आरोपियों ने खुलासा किया कि बालसमंद क्षेत्र की मगजी की घाटी में भी उनका एक ठिकाना है। पुलिस ने तुरंत वहां दबिश दी और वहां से भी सबूत जुटाए। फिलहाल पुलिस इस बात की तहकीकात कर रही है कि इस नेटवर्क में और कौन-कौन लोग शामिल हैं और अब तक कितने नकली नोट बाजार में चला दिए गए हैं।

डीसीपी आलोक श्रीवास्तव ने बताया कि लंबे समय से मंडोर मंडी और आसपास के गांवों में नकली नोट चलने की खबरें मिल रही थीं। डीएसटी (ईस्ट) प्रभारी श्यामसिंह के नेतृत्व में एक विशेष टीम बनाई गई, जिसमें साइबर एक्सपर्ट्स को भी शामिल किया गया। तकनीकी निगरानी, मुखबिरों की सूचना और ग्राउंड इंटेलिजेंस के आधार पर कार्रवाई की गई।

लूणकरणसर का सहनीवाला उन्नत उद्यानिकी तकनीकी से बनेगा मिनी इजरायल : राजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी राजन विशाल ने बुधवार को बीकानेर के लुणकरणसर में स्थापित कृषि विज्ञान केन्द्र, ग्राह्य परीक्षण केन्द्र (एटीसी), आरओसीएल जैतून फार्म और ग्राम सहनिवाला में उन्नत उद्यानिकी तकनिक द्वारा बनाये जा रहें हाई-टेक हॉर्टिक्लचर मॉडल क्लस्टर का दौरा कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी ने कृषि विज्ञान केन्द्र लुणकरनसर का दौरा कर संचालित की जा रही गतिविधियों की जानकारी ली। उन्होंने वार्षिक कैलेण्डर अनुसार विश्वविद्यालय व कृषि उद्यान विभाग के परस्पर समन्वय से किसानों के लिए प्रभावी प्रशिक्षणों का आयोजन करवाने पर बल दिया। जिससे कृषि विज्ञान केन्द्र का समुचित लाभ क्षेत्र के किसानों को ज्यादा से ज्यादा मिल सकें। राजन विशाल ने जैतून फ़ार्म व तेल प्रसंस्करण इकाई आरोसीएल की गतिविधियों का निरीक्षण किया और जैतून उत्पादक किसानों से प्राप्त जैतून फल से समय पर तेल निकलवाने हेतु निर्देश दिए। जैतून फ़ार्म प्रभारी ने प्रसंस्करण इकाई स्थापना से अब तक उत्पादित तेल का विस्तृत ब्यौरा प्रस्तुत किया। इसके बाद शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी ने ग्राहय परीक्षण केन्द्र लुणकरनसर का भी निरीक्षण किया।

उन्होंने लूणकरणसर के ग्राम सहनीवाला का भी दौरा किया, जिसे उद्यान विभाग द्वारा उन्नत उद्यानिकी तकनीकी द्वारा मिनी इजरायल मॉडल बनाने का प्रयास किया जा रहा है। विभाग द्वारा सहनीवाला को हार्टिकल्चर मॉडल क्लस्टर के रूप में विकसित किया जा रहा है। किसान उन्नत तकनीकी पॉली हाउस, शेडनेट हाउस, लॉ-टनल, प्लास्टिक मल्च, एकल जल स्त्रोत, सामुदायिक जल स्त्रोत, सोलर पम्प व ड्रीप संयंत्र अपना कर न्युनतम लागत पर अच्छी पैदावार ले सकेंगें। जिससे किसानो की आमदनी बढेगी और जीवन में सुधार होगा।

बीकानेर का ग्राम सहनीवाला ब्लॉक लूणकरणसर का हाई-टेक हार्टिकल्चर मॉडल क्लस्टर हेतु चयन किया गया है। जिसमे 30 चयनित कृषकों में से प्रत्येक कृषक को उच्च तकनीकी पॉली हाउस/शेडनेट हाउस, लॉ-टनल, प्लास्टिक मल्च, एकल जल स्त्रोत, सामुदायिक जल स्त्रोत, सोलर पम्प व ड्रीप संयंत्र में से पॉली हाउस/शेडनेट हाउस के साथ न्यूनतम अन्य कोई चार घटक से लाभान्वित किया जा रहा है। चयनित कृषक को पॉली हाउस स्थापना पर 2000 वर्गमीटर निर्धारित सीमा पर राष्ट्रीय कृषि विकास योजनान्तर्गत लघु व सीमांत कृषकों को 95 प्रतिशत अनुदान दिया जा रहा है।

भाजपा सरकार मनमाने तरीके से पंचायतीराज एवं नगरीय निकायों का कर रही है पुनर्गठन : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने राज्य की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर प्रदेश में मनमाने तरीके से पंचायतीराज एवं नगरीय निकायों के पुनर्गठन करने का आरोप लगाया हैं। गहलोत ने बुधवार को अपने बयान में यह आरोप लगाते हुए कहा मैं ऐसा पहली बार देख रहा हूं कि सारे नियम-कानून तोड़े जा रहे हैं। जिला कलेक्टरों ने जनता की आपत्तियां दर्ज कर आगे कार्रवाई करने की बजाय हाथ खड़े कर दिए हैं और कलेक्टर कह रहे हैं कि हम कुछ नहीं कर पाएंगे, सारा काम राज्य सरकार के स्तर से हो रहा है।

उन्होंने कहा कि भाजपा और

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) मिलकर येन-केन-प्रकरेण पंचायतीराज और नगरीय निकाय के चुनाव जीतना चाहते है। इसके लिए पहले भरतपुर जिला प्रमुख समेत कई जगह इनके उपचुनाव तक नहीं कराए गए। फिर वन स्टेट-वन इलेक्शन के नाम पर कार्यकाल पूरा होने के बाद भी चुनाव नहीं करवाए एवं अब ये वोटबैंक को साधकर जीतने के लिए नियमों एवं जनता की सहूलियत को भी अनदेखा कर रहे हैं। न तो न्यूनतम एवं अधिकतम जनसंख्या के पैमाने को माना जा रहा है और न ही मुख्यालय से उचित दूरी का ध्यान रखा जा रहा है। कहीं शहर से 10-10 किलोमीटर दूर के गांवों को नगरीय निकायों में मिलाया जा रहा है तो कहीं गांवों को इस तरह पंचायतों से जोड़ा जा रहा है कि पंचायत मुख्यालय ही पांच से दस किलोमीटर दूर हो गया है।

गहलोत ने कहा मैं राज्य सरकार से कहना चाहता हूं कि इस तरह की गतिविधियां उचित नहीं है। जनता में इसको लेकर आक्रोश पनप रहा है। जिला कलेक्टरों को भी यह सुनिश्चित करना चाहिए कि राजनीतिक दबाव में न आकर नियमानुसार सुसंगत तरीके से पूरी पुनर्गठन प्रक्रिया हो।

सम्मान

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने बुधवार को राजभवन में पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय, सीकर की ओर से राजस्थान विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो.जगदीश प्रसाद सिंघल को पीएचडी की मानद उपाधि प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. (डॉ.) अनिल कुमार राय मौजूद रहे।

कैम्पस प्लेसमेंट शिविर एवं कैरियर काउंसलिंग का हुआ आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्य सरकार के कौशल,रोजगार एवं उद्यमिता विभाग की वार्षिक कार्य-योजना वर्ष 2025-26 के क्रियान्वयन के तहत सभी वर्गों के आशार्थियों के लाभार्थी उप क्षेत्रीय रोजगार कार्यालय जयपुर द्वारा बुधवार को प्रातः 10.00 बजे से कैम्पस प्लेसमेंट शिविर एवं करियर काउंसलिंग का आयोजन उप क्षेत्रीय रोजगार कार्यालय जयपुर के कार्यालय परिसर में किया गया। उप क्षेत्रीय रोजगार कार्यालय जयपुर की उप निदेशक श्रीमती नवरेखा ने बताया कि कैम्पस प्लेसमेंट शिविर में लगभग 407 बेरोजगार आशार्थियों ने भाग लिया एवं निजी

संस्थानों ने अपनी रिक्तियों के अनुसार 196 आशार्थियों का प्राथमिक चयन किया तथा 35 आशार्थियों का प्रशिक्षण हेतु चयन कर कैम्पस प्लेसमेंट शिविर में कुल 231 आशार्थियों को लाभान्वित किया गया।

कैम्पस प्लेसमेंट शिविर एवं करियर काउंसलिंग में सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र के 07 संस्थानों ने भाग लिया। जिला कौशल समन्वयक गिरिराज सर्वैया, सीजीसी के उप क्षेत्रीय रोजगार अधिकारी अतुल कुमार सोनू, आईटीआई के सहायक निदेशक अनूप धारवाल, महिला रोजगार कार्यालय जयपुर के सहायक निदेशक हनुमान सहाय मीना आदि ने इस अवसर पर उपस्थित युवा आशार्थियों को रोजगार मार्गदर्शन एवं विभागीय योजनाओं की जानकारी प्रदान की।

राजस्थान और मध्यप्रदेश के बीच बनेगा 17000 वर्ग किमी का चीता कॉरिडोर

जयपुर। मध्यप्रदेश के कूनों से शुरू हुआ प्रोजेक्ट चीता अब राजस्थान तक फैलेगा। दोनों राज्यों के बीच चीता कॉरिडोर बनाने पर सहमति बन रही है। यह कॉरिडोर 17 हजार वर्ग किमी लंबा होगा। इस कॉरिडोर में चीते खुले में घूम सकेंगे। मंगलवार को जयपुर आए एमपी सीएम मोहन यादव ने कहा कि चीता प्रोजेक्ट पर एमपी अच्छा काम कर रहा है। लेकिन अब राजस्थान के साथ जुड़कर इस प्रोजेक्ट को आगे बढ़ाया जाएगा। एमपी सीएम मोहन ने बताया कि मध्यप्रदेश ने दो चीता अभयारण्य शुरू किए हैं। पहला कूनो और दूसरा गांधी सागर। इस चीता प्रोजेक्ट में राजस्थान के सात जिले शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि यह चीता प्रोजेक्ट दुनिया में अनूठा है ओर मध्यप्रदेश के लिए यह खुशी की बात है कि चीता यहां सर्वाइव कर रहा है। इस कॉरिडोर में राजस्थान का लगभग 6500 वर्ग किमी एरिया आएगा। राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण की ओर से जारी एक्शन प्लान के अनुसार इस कॉरिडोर में एमपी का 10,500 वर्ग किमी और राजस्थान का 6500 वर्ग किमी एरिया आएगा। कॉरिडोर को लेकर एमपी और राजस्थान के बीच एक एमओयू साइन होना है।

राजस्थान के कई हिस्सों में तेज अंधड़, हल्की बारिश का अनुमान

जयपुर।राजस्थान में एक नए पश्चिमी विक्षोभ के असर से राज्य के कई हिस्सों में बुधवार से मौसम बदलने की संभावना है और इस दौरान तेज अंधड़ व हल्की बारिश के चलते तापमान में कमी आने का अनुमान है। मौसम विभाग ने यह जानकारी दी। मौसम विभाग के अनुसार, नए पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से एक मई को जोधपुर, बीकानेर, अजमेर व जयपुर संभाग के कुछ हिस्सों में दोपहर बाद तीव्र मेघ गर्जन के साथ हल्की बारिश होने की संभावना है। साथ ही 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। इसी तरह, दो एवं तीन मई को बीकानेर, जोधपुर, अजमेर, उदयपुर, कोटा, भरतपुर व जयपुर संभाग के कुछ हिस्सों में गरज और बिजली चमकने के साथ हल्की बारिश हो सकती है तथा 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार वाला तेज अंधड़ आ सकता है।

राज्य में आंधी व बारिश की गतिविधियां चार से सात मई को भी जारी रहेंगी। राज्य में दो मई से तापमान में तीन से चार डिग्री की गिरावट होने व भीषण गर्मी से राहत मिलने की संभावना है। वहीं, बीते 24 घंटे में गंगधार (झालावाड़) में 3.0 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई तथा शेष राज्य में मौसम शुष्क रहा। इस दौरान जोधपुर संभाग में कहीं-कहीं उष्ण लहर दर्ज की गई। अधिकतम तापमान सबसे अधिक जैसलमेर में 46.3 डिग्री सेल्सियस रहा जो सामान्य से 4.8 डिग्री सेल्सियस अधिक है।

पाकिस्तान के साथ युद्ध की स्थिति में असम का हर नागरिक सशस्त्र बलों के साथ खड़ा रहेगा : हिमंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को कहा कि पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद पाकिस्तान के साथ युद्ध की स्थिति में राज्य का प्रत्येक नागरिक देश के सशस्त्र बलों के साथ मजबूती से खड़ा रहेगा। उन्होंने कहा कि अगले कुछ महीने देश के लिए महत्वपूर्ण होंगे और राज्य के लोग हरसंभव तरीके से मदद करेंगे।

शर्मा ने ग्वालपाड़ा में एक पंचायत चुनाव रैली को संबोधित करते हुए कहा, ''हम सभी जानते हैं कि पिछले हफ्ते पहलगाम में पाकिस्तानी आतंकवादियों ने कैसे निर्दोष लोगों को मार डाला। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि आतंकवादियों का दुनिया के अंतिम छोर तक पीछा किया जाएगा और हमारे सशस्त्र बल उन्हें छोड़ेंगे नहीं।'' मुख्यमंत्री ने कहा, ''हमें नहीं पता कि भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध होगा या नहीं, लेकिन अगर ऐसा हुआ तो असम का हर व्यक्ति हमारे सशस्त्र बलों और प्रधानमंत्री मोदी के साथ खड़ा होगा।'' उन्होंने कहा कि अगले एक या दो महीने देश के लिए 'परीक्षा की घड़ी' होगी। शर्मा ने कहा, ''हमें भारत माता के माथे पर विजय तिलक लगाना होगा। चुनाव के दौरान हम अपनी पसंद की पार्टी का समर्थन कर सकते हैं, लेकिन जब

युद्ध की बात आती है, तो हम सभी पहले भारतीय हैं। हमें प्रार्थना करनी होगी और हरसंभव तरीके से मदद करनी होगी।''

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली राज्य सरकार के तहत सभी समुदायों के बीच शांति और सद्भाव सुनिश्चित किया गया है। उन्होंने कहा, ''भाजपा सरकार के सत्ता में आने के बाद, हमारे मूल लोग सुरक्षित महसूस करने लगे हैं। वे खुश हैं। धुबरी, ग्वालपाड़ा, मनकाचर जैसी जगहों पर सभी समुदाय शांति से रह रहे हैं। हमारे लोग पहले असुरक्षा की भावना के साथ रह रहे थे।''

अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव का जिक्र करते हुए शर्मा ने लोगों से एकजुट रहने और भाजपा का समर्थन जारी रखने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, ''लोगों को एकजुट रहना होगा। हमें राजनीतिक रूप से मजबूत होना होगा। अगर हम थोड़ी सी भी गलती करते हैं, तो हम कांग्रेस के दिनों में लौट जाएंगे।'' उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली सरकारों के दौरान धमाके रोजाना की बात थी। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा, ''अब असमिया और आदिवासी लोग एक ही मंच पर हैं। असमिया भाषी और बांग्ला भाषी लोगों के बीच या बांग्ला भाषी और हिंदी भाषी लोगों के बीच कोई विवाद नहीं है। हमें पता चल गया है कि हमारा असली दुश्मन कौन है और हमें उनके खिलाफ एकजुट होना होगा।''

शर्मा ने दावा किया कि हालांकि अल्पसंख्यक समुदाय के लोग कई बार कांग्रेस को वोट देते हैं, लेकिन इस बार वे विपक्षी पार्टी का समर्थन नहीं करेंगे। उन्होंने दावा किया, ''अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों को यह समझना चाहिए कि भाजपा सरकार के तहत कोई सांप्रदायिक दंगा नहीं हुआ है।''

जातिगत गणना का फैसला सही कदम, यह जल्द शुरू किया जाए : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने अगली जनगणना में जातिगत गणना कराए जाने के केंद्र सरकार के फैसले को सही कदम करार देते बुधवार को कहा कि जल्द से जल्द बजट का प्रावधान कर, जनगणना और जातिगत गणना का काम पूरी पारदर्शिता के साथ शुरू किया जाए। खरगे ने यह भी दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बार-बार सामाजिक न्याय की इस नीति को लागू करने से बचते रहे और विपक्ष पर समाज को बांटने का झूठा आरोप लगाते रहे।

सरकार ने बुधवार को फैसला किया कि आगामी जनगणना में जातिगत गणना को ''पारदर्शी'' तरीके से शामिल किया जाएगा।

राजनीतिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति द्वारा लिए गए निर्णयों की घोषणा करते हुए केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि

जनगणना केंद्र के अधिकार क्षेत्र में आती है, लेकिन कुछ राज्यों ने सर्वेक्षण के नाम पर जातिगत गणना की है।

खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने लगातार जातिगत गणना की माँग उठाई थी, जिसके सबसे मुखर पक्षधर राहुल गांधी रहे। आज मोदी सरकार ने जनगणना के साथ जातिगत गणना कराने की घोषणा की है। यह सही कदम है जिसकी हम पहले दिन से माँग कर रहे थे।

उनका कहना है, मैंने कई बार इसे संसद में उठाया और प्रधानमंत्री जी को पत्र भी लिखा। इंडिया गठबंधन के नेताओं ने भी कई बार जातिगत गणना की माँग की है और लोकसभा चुनाव में ये अहम मुद्दा बना। उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बार-बार सामाजिक न्याय की इस नीति को लागू करने से बचते रहे और विपक्ष पर समाज को बांटने का झूठा आरोप लगाते रहे।

खरगे ने कहा, जातिगत गणना के अभाव में, सार्थक सामाजिक न्याय और सशक्तीकरण कार्यक्रमों का क्रियान्वयन अधूरा है, इसीलिए यह सभी वर्गों के लिए जरूरी है। उन्होंने कहा कि जनगणना के लिए इस साल के बजट में भी केवल 575 करोड़ रुपए का आवंटन है, इसलिए ये सवाल मुनासिब है कि सरकार इसको कैसे और कब पूरा करेगी।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, कांग्रेस पार्टी ये माँग करती है कि मोदी सरकार जल्द से जल्द, बजट का प्रावधान कर, जनगणना और जातिगत गणना का काम पूरी पारदर्शिता के साथ चालू करे। उन्होंने कहा, जातिगत गणना जरूरी है, सहभागी न्याय के बिना सबकी प्रगति अधूरी है।

होटल में आग लगने से 14 की मौत

प्रधानमंत्री ने अनुग्रह राशि की घोषणा की, मुख्यमंत्री का जांच का आदेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। मध्य कोलकाता स्थित बड़ बाजार के मछुआपट्टी इलाके में एक होटल में भीषण आग लगने से 14 लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि घटना में मारे गए अधिकतर लोगों की जान दम घुटने के कारण गई और आग लगने की घटना में 13 अन्य घायल हो गए।

घटना को लेकर राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया और इसमें जवाबदेही की मांग की जा रही है।

अधिकारियों ने कहा कि छह मंजिला ऋतुराज होटल में आग मंगलवार शाम करीब 7:30 बजे लगी और देखते ही देखते पूरी इमारत इसकी चपेट में आ गई। आग लगने की घटना के समय होटल में 42 कमरों में 88 मेहमान ठहरे हुए थे।

अग्निशमन एवं आपात सेवा विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, ''जान गंवाने वाले अधिकतर लोग अंदर फंस गए थे और घने धुएं के कारण बाहर नहीं निकल सके।''

ज्यादातर मामलों में मौत का कारण दम घुटना है, जबकि कुछ लोग घबराहट में होटल की ऊपरी मंजिलों से कूदने के कारण मारे गए।

पुलिस ने बताया कि घटना में मारे गए 14 लोगों में 11 पुरुष, एक महिला और दो बच्चे शामिल हैं।

बुधवार को घायलों से मिलने के बाद महापौर फरहाद हकीम ने बताया कि सभी 14 शवों की पहचान हो गई है। उन्होंने कहा कि शवों को पीड़ित परिवारों को सौंपने की व्यवस्था की जा रही है।

कोलकाता पुलिस आयुक्त मनोज वर्मा और राज्य के अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा मंत्री सुजीत बोस ने शुरू में कहा था कि मंगलवार शाम ऋतुराज होटल में लगी आग में 15 लोग मारे गए हैं। बाद में, अस्पतालों और बचाव दल के रिकॉर्ड की जांच के बाद वर्मा ने मृतकों की संख्या को संशोधित कर इसे 14 कर दिया।

वर्मा ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''शुरुआती रिपोर्ट में 15 लोगों के मरने की सूचना थी। कुछ भ्रम था। लेकिन सत्यापन के बाद संख्या को सही करके 14 कर दिया गया है। फिलहाल हमारे पास यही पुष्ट आंकड़ा है।''

अधिकारियों ने बताया कि दमकल की 10 गाड़ियों को मौके पर भेजा गया और करीब 10 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद बुधवार सुबह आग पर काबू पा लिया गया।

प्रत्यक्षदर्शियों ने भयावह दृश्य बयां करते हुए कहा कि खिड़कियों से आग की लपटें बाहर निकल रही थीं, मेहमान मदद के लिए चिल्ला रहे थे और कुछ लोग आग से बचने के लिए खिड़कियों से कूद रहे थे।

आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है और नई जानकारी से पता चलता है कि होटल में घोर लापरवाही बरती गई तथा अग्नि सुरक्षा मानदंडों का उल्लंघन किया गया।

रामजी लाल सुमन ने राष्ट्रपति से लगाई सुरक्षा की गुहार

उप्र सरकार पर हत्या के षड्यंत्र का आरोप लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। समाजवादी पार्टी के सांसद रामजीलाल सुमन ने बुधवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पत्र लिखकर अपनी और अपने परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आग्रह किया और आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश सरकार के इशारे पर उनकी हत्या का षड़यंत्र रचा गया है।

राणा सांगा को लेकर कथित टिप्पणी करने के बाद विवादों में घिरे राज्यसभा सदस्य सुमन ने ईमेल के माध्यम से राष्ट्रपति को पत्र भेजा है।

पत्र में उन्होंने कहा, ''मेरे द्वारा राज्यसभा की कार्यवाही के दौरान एक बयान दिया गया था। उस बयान को राज्यसभा के सभापति द्वारा कार्यवाही से हटा दिया गया था। इस प्रकार उक्त बयान की कोई प्रासंगिकता नहीं रह गई। इसके बावजूद उस बयान को भारतीय जनता पार्टी के इशारे पर राष्ट्रीय मीडिया एवं सोशल मीडिया में प्रसारित किया गया।'' उन्होंने दावा किया कि इस कारण गत 22 मार्च, 2025 से उनकी हत्या करने, जीभ काटने, गर्दन काटने, गोली मारने जैसी धमकियां दी जाने लगीं तथा बीते 26 मार्च उनके आगरा स्थित आवास पर हमला किया गया।

सपा नेता ने कहा, ''इन तत्वों को शासन एवं प्रशासन का खुला संरक्षण और समर्थन प्राप्त था।'' उन्होंने यह दावा भी किया कि बीते 27 अप्रैल को उनके ऊपर टायरों, पत्थरों एवं ज्वलनशील तेल फेंककर हत्या का प्रयास किया गया।

सुमन ने आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा उनकी हत्या का षड्यंत्र रचा गया है। उन्होंने पत्र में कहा, ''मुझे मिली धमकियों के संबंध में मैंने माननीय उपराष्ट्रपति, माननीय गृह मंत्री भारत सरकार को तत्काल अवगत कराया, लेकिन अफसोस की बात है कि अब तक मेरी और मेरे परिवार की सुरक्षा के लिए कोई व्यवस्था नहीं है।'' सुमन ने राष्ट्रपति से आग्रह किया, ''मेरी और मेरे परिवार की सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित किए जाने का आदेश देने का कष्ट करें।''

हमेशा दलितों के खिलाफ रही है भाजपा : अखिलेश यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बलिया (उप्र)/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर हमेशा से दलित विरोधी होने का आरोप लगाते हुए बुधवार को कहा कि भाजपा के समर्थक सपा के राज्यसभा सदस्य रामजी लाल सुमन को धमका रहे हैं।

यादव ने बलिया से पार्टी सांसद सनातन पांडे के आवास पर एक शादी समारोह में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा, उत्तर प्रदेश में दलितों के खिलाफ अपराध चरम पर है। सत्तारूढ़ दल के समर्थक हमें जान से मारने की धमकी दे रहे हैं और हमें डराने के लिए सड़कों पर टायर फेंक रहे हैं, लेकिन हम डरते नहीं हैं। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के हमले सिर्फ व्यक्तियों पर नहीं बल्कि डॉक्टर

भीमराव अंबेडकर के संविधान और राज्य की कानून व्यवस्था पर हैं।

सपा अध्यक्ष ने कहा, हमें धमकाने वाले वास्तव में बाबा साहब के संविधान को चुनौती दे रहे हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि भाजपा के शासनकाल में अशांति और अराजकता फैलाने वाले तत्वों को राज्य सरकार से संरक्षण मिल रहा है।

यादव ने कहा, खुलेआम अराजकता है। पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) समुदाय के लोगों पर हमले हो रहे हैं। सड़कों पर तलवारें लहराई जा रही हैं और पीडीए समुदाय इस अराजकता को देख रहा है।

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकवादी हमले को लेकर यादव ने केंद्र से सख्त कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा, सरकार को सख्त से सख्त कार्रवाई करनी चाहिए और ठोस कदम उठाने चाहिए। समाजवादी पार्टी इस मुद्दे पर केंद्र के साथ खड़ी है।

यादव ने शोक संवेदना व्यक्त करते हुए सरकार से पीड़ित परिवारों को वित्तीय और संस्थागत सहायता देने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, हम मांग करते हैं कि पीड़ितों के परिवारों को 10-10 करोड़ रुपए, सरकारी नौकरी दी जाए और मारे गए लोगों को शहीद घोषित किया जाए।

पहलगाम हमले को बड़ी सुरक्षा चूक का परिणाम बताते हुए यादव ने सवाल उठाया कि आतंकवादी वहां कैसे हमला कर सकते हैं। उन्होंने कहा, पहलगाम हमला अकल्पनीय है। यह पूरी तरह से खुफिया तंत्र की विफलता थी।

मोदी सरकार सामाजिक न्याय के लिए प्रतिबद्ध, जाति जनगणना का फैसला ऐतिहासिक : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा कि नरेन्द्र मोदी सरकार सामाजिक न्याय के लिए प्रतिबद्ध है और उसने आगामी जनगणना में जातिगत गणना करने का ऐतिहासिक फैसला किया है।

राजनीतिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीपीए) द्वारा महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाने के कुछ घंटे बाद गृहमंत्री शाह ने कहा कि सरकार ने सामाजिक समानता और हर वर्ग के अधिकारों के प्रति अपनी मजबूत प्रतिबद्धता प्रदर्शित की है।

उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''सामाजिक न्याय के लिए संकल्पित मोदी सरकार ने आज एक ऐतिहासिक निर्णय लिया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में आज हुई सीसीपीए की बैठक में, आगामी जनगणना में जातिगत गणना को शामिल करने का निर्णय

लेकर सामाजिक समानता और हर वर्ग के अधिकारों के प्रति मजबूत प्रतिबद्धता का संदेश दिया गया है।''

शाह ने कहा कि कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों ने दशकों तक सत्ता में रहते हुए जातिगत जनगणना का विरोध किया और विपक्ष में रहते हुए इस पर राजनीति की।

उन्होंने कहा कि इस निर्णय से आर्थिक और सामाजिक रूप से पिछड़े सभी वर्गों का सशक्तीकरण होगा, समावेशन को बढ़ावा मिलेगा और यह वंचितों की प्रगति के नए मार्ग प्रशस्त करेगा।''

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने राजनीतिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति द्वारा लिए गए निर्णय की जानकारी देते हुए बताया कि आगामी जनगणना में जातिगत गणना को ''पारदर्शी'' तरीके से शामिल किया जाएगा। उन्होंने साथ ही जाति आधारित सर्वेक्षण को ''राजनीतिक हथियार'' के तौर पर इस्तेमाल करने के लिए विपक्षी दलों को आड़े हाथ लिया।

वैष्णव ने कहा कि जनगणना केंद्र के अधिकारक्षेत्र में आती है, लेकिन कुछ राज्यों ने सर्वेक्षण के नाम पर जातिगत गणना ''गैर-पारदर्शी'' तरीके से की है, जिससे समाज में संदेह पैदा हुआ है।

माझी ने 'अक्षय तृतीया' पर किसानों को 1,025 करोड़ से अधिक की वित्तीय सहायता वितरित की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने बुधवार को अक्षय तृतीया के अवसर पर आयोजित 'कृषक दिवस' के दौरान मुख्यमंत्री किसान सहायता योजना के तहत 51 लाख किसानों को 1,025 करोड़ रुपए वितरित किए।

माझी ने यहां ओडिशा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (ओयूएटी) में आयोजित समारोह में उपमुख्यमंत्री केवी सिंह देव के साथ बटन दबाकर डीबीटी (प्रत्यक्ष लाभ अंतरण) सुविधा के माध्यम से प्रत्येक किसान के बैंक खातों में 2,000 रुपए की वित्तीय सहायता जमा की।

मुख्यमंत्री ने 'अखी मुथी अनुकूल' और भूमि पूजन अनुष्ठानों में भी भाग लिया।

लाभार्थियों में छोटे, सीमांत, भूमिहीन और आदिवासी किसान शामिल हैं।

माझी ने कहा कि पहली बार शहरी क्षेत्रों के 25,000 किसानों को मुख्यमंत्री किसान योजना के तहत शामिल किया गया, जो किसानों तक सरकार की पहुंच में महत्वपूर्ण विस्तार को दर्शाता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जरूरतमंद किसानों को खरीफ फसल से पहले बीज, उर्वरक और अन्य आवश्यक वस्तुओं की खरीद के लिए 2,000 रुपए दिए जा रहे हैं।

राज्य सरकार ने आठ सितंबर, 2024 को मुख्यमंत्री किसान योजना शुरू की थी, जिसका लाभ तब लगभग 46 लाख किसानों को मिला था।

इस योजना के तहत किसानों को खरीफ और रबी की फसलों की सहायता के लिए दो मौकों - अक्षय तृतीया और नुआ खाई पर प्रति वर्ष 4,000 रुपए की वित्तीय सहायता दी जाती है।

माझी ने कहा, मैं जन्म से किसान हूं और कॉलेज के दिनों में अपने पिता के साथ खेतों में काम करता था।

हनुमानगढ़ी में सदियों पुरानी परंपरा टूटी, पीठ के महंत मंदिर से बाहर निकले

अयोध्या/भाषा। सदियों पुरानी धार्मिक परंपरा से हटने के एक ऐतिहासिक एवं भावुक अवसर में अयोध्या के हनुमानगढ़ी मंदिर के पीठाधीश महंत प्रेम दास अक्षय तृतीय के अवसर पर पहली बार मंदिर परिसर से बाहर निकले। 300 से अधिक वर्षों में यह पहला ऐसा मौका है जब हनुमानगढ़ी का कोई महंत मंदिर परिसर से बाहर निकला है।

नवनिर्मित राम मंदिर में जाने के लिए महंत प्रेम दास के नेतृत्व में शाही जुलूस निकला। इससे पूर्व महंत ने 52 बीघा का हनुमानगढ़ी परिसर अपने जीवनकाल में कभी नहीं छोड़ने की एक अटूट परंपरा शुरू की थी।

हाथी, घोड़े और ऊंटों को लेकर गाजे बाजे के साथ निकले इस जुलूस में हजारों की संख्या में नागा साधु, श्रद्धालु और उनके शिष्य शामिल हुए। यह आध्यात्मिक यात्रा सरयू नदी के तट से शुरू हुई जहां महंत प्रेम दास और अन्य साधु संतों ने राम मंदिर में पूजा अर्चना से पूर्व पवित्र सरयू नदी में स्नान किया।

हनुमानगढ़ी के महंत संजय दास ने कहा, इस परंपरा का 1737 से (288 साल) पालन किया जाता रहा है। महंत की भूमिका स्वयं को भगवान हनुमान को समर्पित करने की है। एक बार पीठ पर विराजमान होने के बाद वह इस मंदिर परिसर में ही जीता और मरता है। उसका शरीर मृत्यु के बाद ही यह परिसर छोड़ सकता है।

वर्ष 1925 में बने हनुमानगढ़ी के संविधान के अनुसार इन परंपराओं को नागा साधुओं द्वारा मान्यता दी गई और इन्हें लागू किया गया। संजय दास ने कहा, यहां तक कि दीवानी मामले में भी अदालतों ने इस परंपरा का सम्मान किया है। उन्होंने कहा, आवश्यकता पड़ने पर इस अखाड़े का प्रतिनिधि अदालत में पेश होता है। वास्तव में, 1980 के दशक में अदालत ने महंत का बयान दर्ज करने के लिए हनुमानगढ़ी के भीतर सुनवाई की थी। हालांकि, हाल के निर्णय को हल्के में नहीं लिया गया। निर्वाणी अखाड़ा के पंच परमेश्वर ने सर्वसम्मति से राम लला के मंदिर में जाने की महंत की इच्छा स्वीकार की।

गंगा नदी में करीब तीन दशक से लुप्तप्राय कछुए की प्रजाति को दोबारा छोड़ा गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कछुए की लुप्तप्राय प्रजाति 'रेड क्राउन्ड रुफ्ड टर्टल' को सरकार के गंगा नदी की सफाई और इसकी जैव विविधता को बढ़ावा देने के एक अहम कार्यक्रम के तहत फिर से इस नदी में छोड़ा गया है। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी आर पाटिल बुधवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जारी पोस्ट में कहा, ''26 अप्रैल को उत्तर प्रदेश के हैदरपुर आद्रभूमि में 20 ऐसे कछुए छोड़े गए हैं।''

यह हस्तिनापुर वन्यजीव अभयारण्य के भीतर बिजनौर गंगा बैराज के पास यूनेस्को मान्यता प्राप्त रामसर आद्रभूमि है। यह मानव निर्मित आर्द्रभूमि 1984 में नदी के बाढ़ के मैदान पर मध्य गंगा बैराज के निर्माण के साथ बनाई गई थी।

मंत्री ने कहा कि उत्तर भारत में विलुप्त होने के कगार पर पहुंच चुके 'रेड क्राउन्ड रुफ्ड टर्टल' को

सावधानीपूर्वक योजनाबद्ध वैज्ञानिक पुनर्वास प्रयास के माध्यम से नदी में पुनः बसाया गया है। उन्होंने इसे गंगा नदी की पारिस्थितिकी को बहाल करने में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर बताया। उनके मंत्रालय के अनुसार, पिछले 30 वर्षों में गंगा की मुख्य धारा में वयस्क रेड-क्राउन्ड रुफ्ड टर्टल के देखे जाने की कोई पुष्टि नहीं हुई है।

पुनः बसाने की परियोजना को सफल बनाने के लिए, प्रत्येक कछुए में ट्रैकिंग डिवाइस लगाया गया है, ताकि उनके आवागमन के पैटर्न और पर्यावरण के साथ अनुकूलन की प्रगति पर नजर रखी जा सके।

अधिकारियों के अनुसार, कछुओं को पुनः बसाने की प्रक्रिया के लिए दो समूहों में विभाजित किया गया था। उन्होंने बताया कि एक समूह को हैदरपुर आद्रभूमि बैराज के ऊपरी हिस्से में तथा दूसरे को गंगा की मुख्य धारा के निचले हिस्से में छोड़ा गया, ताकि यह पता लगाया जा सके कि कछुओं को फिर से बसाने के लिए कौन सी विधि अधिक प्रभावी है।

अधिकारियों ने बताया कि अगले दो वर्षों तक इन कछुओं पर नजर रखी जाएगी।

मंत्रालय ने कहा कि इसका उद्देश्य उत्तर प्रदेश वन विभाग की मदद से इस प्रजाति को गंगा में स्थिर तरीके से बसाना है।

पाटिल ने इसका श्रेय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को देते हुए 'एक्स' पर कहा, '' माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में चल रहे नमामि गंगे मिशन के तहत गंगा नदी में तीन दशक बाद रेड-क्राउन रुफ्ड टर्टल प्रजाति की वापसी संभव हो पाई है।

सुविचार

दुःख आता है, आनंद आता है, और सब कुछ बीत जाता है। जो सदा रहता है वही साक्षी है। साक्षी सभी ध्रुवों से परे है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

यह सवाल मुनीर से पूछें

पहलगाम हमले के बाद केंद्र सरकार ने पाकिस्तानी नागरिकों को देश छोड़कर जाने का जो आदेश दिया, उससे ऐसी कहानियां निकलकर सामने आ रही हैं, जिन्हें सुनकर आश्चर्य होता है। भारत में बड़ी तादाद में ऐसे लोग रह रहे थे, जिनके पास पाकिस्तानी पासपोर्ट हैं और वे यहां सुविधाओं का पूरा फायदा उठा रहे थे। केंद्र ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए जो कदम उठाया, वह बहुत जरूरी था। अब ये लोग भारत सरकार से खासे खफा हैं। पूछ रहे हैं– हमारा क्या कसूर था? वास्तव में उन्हें यह सवाल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी या गृह मंत्री अमित शाह से नहीं, बल्कि पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर से पूछना चाहिए। क्या भारत ने यह फैसला बेवजह ले लिया? अगर किसी देश पर बड़ा आतंकवादी हमला होता है, उसके नागरिकों की हत्या की जाती है, तो क्या उसकी सरकार हमलावर देश के नागरिकों को अपने यहां बर्दाश्त करेगी? पाकिस्तान ने कभी अफगान शरणार्थियों का खूब स्वागत किया था। वे कराची से लेकर क्वेटा और पेशावर तक बस गए थे। कालांतर में वहां आतंकवाद और गंभीर अपराधों जैसी समस्याएं बढ़ने लगी थीं। आखिरकार पाकिस्तान ने उन्हें निकालना शुरू कर दिया। भारत तो नागरिकता और विदेशी नागरिकों को अपनी जमीन पर रहने की अनुमति देने के मामले में बहुत उदार है। अगर ऐसा नहीं होता तो ये पाकिस्तानी अब तक इतने आराम से यहां न रह पाते। इस समय सोशल मीडिया पर इनके कई वीडियो वायरल हो रहे हैं। सरकार को इन पर नजर रखते हुए भविष्य में कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए। एक महिला कह रही थी कि उसकी ऑनलाइन शादी हुई थी! किसी महिला ने पाकिस्तानी पुरुष से शादी की, परिवार में पांच बच्चे हैं, जो वर्षों से यहीं रह रहे थे। किसी ने अपने पति को पाकिस्तान से भारत बुला लिया था। यहां मज़े से गुजारा चल रहा था। अब पति इसलिए पाकिस्तान नहीं जाना चाहता, क्योंकि वहां अर्थव्यवस्था की हालत खराब है।

कई लोग भारत सरकार से इस वजह से नाराज हैं, क्योंकि वे यहां अपना इलाज ठीक तरह से नहीं करवा सके। भारतीय डॉक्टरों ने पाकिस्तानी नागरिकों के मुफ्त ऑपरेशन तक किए हैं। मुफ्त दवाइयां, मुफ्त परामर्श, मुफ्त जांच ... वह भी उस स्थिति में, जब भारतीय नागरिकों को जरूरी चिकित्सा सुविधाएं बहुत मुश्किल से मिल रही हैं। इसके बावजूद भारत में किसी को आपत्ति नहीं है, क्योंकि हम मानवता के समर्थक हैं। इन लोगों को पाकिस्तान जाकर आसिम मुनीर को अपनी तकलीफ बतानी चाहिए, जो हवा में हाथ लहराते हुए 'दो क़ौमी' नज़रिए का गुणगान कर रहे थे और कह रहे थे कि हम 'उनसे' अलग हैं। अगर मुनीर और उनकी मंडली के लोग इतने ही खास और महान हैं तो सबसे पहले अपनी अवाम के लिए ढंग के अस्पताल बनवाएं। थोथी नारेबाजी करने और डींगें हांकने से किसी का भला नहीं होगा। पाकिस्तान के आतंकवादी पहलगाम में आकर हमारे देशवासियों से उनका धर्म पूछते हैं, उनकी जान लेते हैं, जबकि हम पाकिस्तानी नागरिकों को चिकित्सा सुविधाओं के जरिए नया जीवन देते हैं और किसी से उसका धर्म नहीं पूछते। हां, हम भी सरहद पार बैठे कई लोगों से अलग हैं, क्योंकि वे तोड़ने में विश्वास करते हैं, हम जोड़ने में विश्वास करते हैं। अभी जिन लोगों को पाकिस्तान भेजा जा रहा है, भविष्य में जब ये वीजा लेने आएं तो इनके सोशल मीडिया अकाउंट जरूर चेक किए जाएं। वर्तमान में पाकिस्तान में सैकड़ों अकाउंट ऐसे पाए गए हैं, जो पहलगाम हमले पर खुशी जता रहे हैं। भारत में भी कुछ लोगों का पर्दाफाश हुआ है, जिनके खिलाफ पुलिस कार्रवाई कर रही है। जो व्यक्ति आतंकवादी कृत्य का किसी भी प्रकार से समर्थन करता है, उसे कठोर दंड मिलना चाहिए। सरकार को इन तत्त्वों के खिलाफ खूब सख्ती से पेश आना होगा। अन्यथा ऐसी मानसिकता रखने वाले लोगों के हौसले बढ़ते जाएंगे।

ट्वीटर टॉक

सुख एवं समृद्धि के मंगल पर्व अक्षय तृतीया की आप सभी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। यह पर्व आप सभी के जीवन में खुशहाली, संपन्नता, सफलता एवं समृद्धि लेकर आए। धर्म, कर्म और सद्भावना से भरपूर यह दिन आप सभी के लिए मंगलमय हो ऐसी कामना करता हूं।

–गोविंद सिंह डोटासरा

जीवन पर्यंत गौ सेवा हेतु समर्पित नागौर के परबतसर हरनावां की महान भक्त शिरोमणि रानाबाई के जन्मोत्सव की समस्त प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई। उनकी असीम कृपा से हम सभी के जीवन में सुख, समृद्धि और आध्यात्मिक उन्नति का संचार हो, मेरी यही मंगलकामना है।

–भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

संतुलित जीवन

राजपुर नामक एक सुंदर राज्य में अर्जुन नाम का एक बुद्धिमान व्यापारी रहता था। वह अपने व्यापार में अत्यंत सफल था, लेकिन उसे हमेशा अधिक धन कमाने की लालसा रहती थी। इसी कारण, वह दिन-रात काम करता और अपने परिवार, स्वास्थ्य और आध्यात्मिक जीवन की उपेक्षा करता था। एक दिन, वह एक संत के पास पहुंचा और बोला, महाराज, मैंने जीवन में बहुत धन कमाया है, लेकिन फिर भी मन अशांत रहता है। कृपया मुझे शांति का मार्ग दिखाएं। संत मुस्कुराए और उसे एक जलपात्र दिया, जो पानी से भरा हुआ था। उन्होंने अर्जुन से कहा, इसे लेकर इस ऊबड़-खाबड़ रास्ते पर चलो, लेकिन ध्यान रहे कि एक भी बूंद पानी गिरे नहीं। अर्जुन बहुत सावधानी से चलने लगा। जब वह संत के पास लौटा तो संत ने पूछा- क्या तुमने रास्ते के सुंदर पेड़, चहकते पक्षी और ठंडी हवा का आनंद लिया? अर्जुन ने उत्तर दिया- नहीं महाराज, मैं तो केवल इस पात्र को संभालने में लगा रहा, ताकि पानी गिर न जाए। संत मुस्कुराए और बोले- यही तुम्हारी समस्या है। तुम केवल धन कमाने में इतने व्यस्त हो कि जीवन के बाकी पहलुओं का आनंद नहीं ले पा रहे। जीवन में सच्ची शांति और आनंद पाने के लिए संतुलन आवश्यक है कार्य, परिवार, स्वास्थ्य और आध्यात्मिकता में समरसता होनी चाहिए। अर्जुन को अपनी भूल का अहसास हुआ। उसने निश्चय किया कि अब वह केवल धन ही नहीं, बल्कि अपने परिवार, स्वास्थ्य और आत्मिक शांति का भी ध्यान रखेगा। कहने का भाव यही है कि जीवन में जब हम हर पहलु और पक्ष का ध्यान रखते हैं, जीवन के उतार-चढ़ाव के बीच साक्षी भाव से जीवन में घटने वाली हर परिस्थिति में समान रहते हैं तभी हम जीवन का असली आनंद ले सकते हैं। संतुलित जीवन ही आदर्श, महान और प्रेरक होता है। इतिहास में जितने भी महान पुरुष, संत हुए हैं सभी के जीवन में एक संतुलन था, एक समन्वय था। यदि जीवन में सभी पक्ष मजबूत हैं और आध्यात्मिक पक्ष कमजोर है तो उसे भी संतुलन नहीं कहेंगे।

सामयिक

मजदूरों के महत्व को दर्शाता मजदूर दिवस

रमेश सर्राफ धमोरा

मोबाइल : 9414255034

मजदूर दिवस मजदूरों के महत्व को दर्शाने का एक महत्वपूर्ण उत्सव है। भारत सहित दुनिया के बहुत से देशों में एक मई को मजदूर दिवस मनाया जाता है। जिसका मुख्य उद्देश्य उस दिन मजदूरों की भलाई के लिए काम करने व मजदूरों में उनके अधिकारों के प्रति जागृति लाना होता है। मगर ऐसा हो नहीं पाया है। भारत में 90 फीसदी मजदूर असंगठित क्षेत्र में काम करते हैं जिनको सभी सामाजिक सुरक्षा सुविधाएं प्राप्त नहीं हैं। देश में श्रमिक वर्ग की संख्या संगठित व असंगठित क्षेत्र में 50 करोड़ से ज्यादा है।

भारत में एक मई का दिवस सबसे पहले चेन्नई में एक मई 1923 को मद्रास दिवस के तौर पर मनाना शुरू किया गया था। इस की शुरुआत भारती मजदूर किसान पार्टी के नेता कामरेड सिंगरावेलू चेट्यार ने शुरू की थी। भारत में मद्रास के हाईकोर्ट सामने एक बड़ा प्रदर्शन किया और एक संकल्प के पास करके यह सहमति बनाई गई कि इस दिवस को भारत में भी कामगार दिवस के तौर पर मनाया जाये और इस दिन छुट्टी का ऐलान किया जाये। वर्तमान में भारत समेत लगभग 80 देशों में एक मई को मजदूर दिवस मनाया जाता है।

मजदूर दिवस दुनिया के सभी कामगारों, श्रमिकों को समर्पित होता है। इस बार की अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस 2025 में वर्ल्ड डे फॉर सेफ्टी एंड हेल्थ एट वर्क की थीम है। स्वास्थ्य और सुरक्षा में क्रांति, कार्यस्थल पर एआई और डिजिटलाइजेशन की भूमिका। इसका मतलब है कि आने वाले समय में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स, वर्चुअल रियलिटी और इंटरनेट ऑफ थिंग्स जैसी नई तकनीकों का इस्तेमाल कार्यस्थल को और ज्यादा सुरक्षित और सेहतमंद बनाने में किया जाएगा। स्मार्ट हेलमेट्स, सेफ्टी सेंसर, ऑटोमेटेड मॉनिटरिंग सिस्टम ये सब भविष्य की सुरक्षा के अहम हिस्से बनेंगे। यह थीम हमें इस बात के लिए तैयार करती है कि हम तकनीक का सही इस्तेमाल करते हुए कर्मचारियों की भलाई सुनिश्चित कर सकें। किसी भी राष्ट्र की प्रगति करने का प्रमुख भार मजदूर वर्ग के कंधों पर ही होता है। मजदूर वर्ग की कड़ी मेहनत के बल पर ही राष्ट्र तरक्की करता है। लेकिन भारत का श्रमिक वर्ग श्रम कल्याण सुविधाओं के लिए आज भी तरस रहा है। मजदूर दिवस को लेकर श्रमिक तबके में अब कोई खास उत्साह नहीं रह गया है। बढ़ती महंगाई और पारिवारिक जिम्मेदारियों ने भी मजदूरों के उत्साह का कम कर दिया है। अब मजदूर दिवस इनके लिए सिर्फ कागजी रस्म बनकर रह गया है।

महात्मा गांधी ने कहा था कि किसी देश की तरक्की उस देश के कामगारों और किसानों पर निर्भर करती है। उद्योगपति खुद को मालिक समझने की बजाय अपने-आप को ट्रस्टी समझे। मगर ऐसा होता नहीं है। मालिक आज भी मालिक बने हुये हैं। मजदूर सिर्फ मजबूर होकर रह गया है। इसी कारण भारत में मजदूरों की स्थिति बेहतर नहीं है। गुरु नानक देव जी ने भी अपने समय में किसानों, मजदूरों और कामगारों के हक में आवाज उठाई थी। गुरु नानक देव जी ने काम करना, नाम जपना, बांट छकना और दसवंध निकालना का संदेश दिया था। गरीब मजदूर और कामगार का विनम्रता का राज स्थापित करने के लिए मनमुख से गुरमुख तक की यात्रा करने का संदेश दिया था।

मजदूर एक ऐसा शब्द है जिसके बोलने में ही मजबूरी झलकती है। सबसे अधिक मेहनत करने वाला मजदूर आज भी सबसे अधिक बदहाल स्थिति में है। दुनिया में एक भी ऐसा देश नहीं है जहां मजदूरों की स्थिति में सुधार हो पाया है। दुनिया के सभी देशों की सरकार मजदूरों के हित के लिए बातें तो बहुत बड़ी-बड़ी करती हैं मगर जब उनकी भलाई के लिए कुछ करने का समय आता है तो सभी पीछे हट जाती है। इसीलिए मजदूरों की स्थिति में सुधार नहीं हो पाता है। हमारे देश के मजदूरों को न तो मालिकों द्वारा किए गए कार्य की पूरी मजदूरी दी जाती है और ना ही अन्य वांछित सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाती है। गांव में खेती के प्रति लोगों का रुझान कम हो रहा है। इस कारण बड़ी संख्या में लोग मजदूरी करने के लिए शहरों की तरफ पलायन कर जाते हैं। जहां ना उनके रहने की कोई सही व्यवस्था होती है ही उनको कोई ढ़ग का काम मिल पाता है। मगर आर्थिक कमजोरी के चलते शहरों में रहने वाले मजदूर वर्ग जैसे तैसे कर वहां अपना गुजर-बसर करते हैं।

बड़े शहरों में झोंपड़ पट्टी बस्तियों की संख्या तेजी से बढ़ती जा रही है। जहां रहने वाले लोगों को कैसी विषम परिस्थितियों का सामना करता है। इसको देखने की न तो सरकार को फुर्सत है ना हीं किसी राजनीतिक दलों के नेताओं को। झुग्गी झोपड़ी में रहने वाले मजदूरों को शौचालय जाने के लिए भी घंटों लाइनों में खड़ा रहना पड़ता है। झोपड़पट्टी बस्तियों में ना रोशनी की सुविधा रहती है। ना पीने को साफ पानी मिलता है और ना ही स्वच्छ वातावरण।

शहर के किसी गंदे नाले के आसपास बसने वाली झोपड़ पट्टियों में रहने वाले गरीब तबके के मजदूर कैसा नारकीय जीवन गुजारते हैं। उसकी कोई कल्पना भी नहीं कर सकता है। मगर इसको अपनी नियति मान कर पूरी मेहनत से अपने मालिकों के यहां काम करने वाले मजदूरों के प्रति मालिकों के मन में जरा भी सहानुभूति के भाव नहीं रहते हैं। उनसे 12-12 घंटे लगातार काम करवाया जाता है। घंटो धूप में खडे रहकर बड़ी बड़ी कोठियां बनाने वाले मजदूरों को एक छप्पर तक नसीब नही हो पाता है।

देश के कारखानों में काम करने वाले मजदूरो पर हर वक्त इस बात की तलवार लटकती रहती है कि ना जाने कब मालिक उनकी छटनी कर काम से हटा दे। कारखानो में कार्यरत मजदूरों से निर्धारित समय से अधिक काम लिया जाता है। विरोध करने पर काम से हटाने की धमकी दी जाती है। मजबूरी में मजदूर कारखाने के मालिक की शर्तों पर काम करने को मजबूर होता है। कारखानो में श्रम विभाग के मापदण्डो के अनुसार किसी भी तरह की कोई सुविधायें नहीं दी जाती है। कई कारखानों में तो मजदूरों से खतरनाक काम करवाया जाता है जिस कारण उनको कई प्रकार की बिमारियां लग जाती है। कारखानों में मजदूरो को पर्याप्त चिकित्सा सुविधा, पीने का साफ पानी, विश्राम की सुविधा तक उपलब्ध नहीं करवायी जाती है। मालिको द्वारा निरंतर मजदूरों का शोषण किया जाता है। मगर मजदूरों के हितों की रक्षा के लिये बनी मजदूर यूनियनो को मजदूरो की बजाय मालिको की ज्यादा चिंता रहती है। हालांकि कुछ मजदूर यूनियने अपना फर्ज भी निभाती है मगर उनकी संख्या कम है।

हर बार मजदूर दिवस के अवसर पर सरकारें मजदूरों के हित की योजनाओं के बड़े-बड़े विज्ञापन जारी करती है। जिनमें मजदूरों के हितों की बहुत सी बाते लिखी होती हैं। किन्तु उनमें से अमल किसी बात पर नहीं हो पाता है। देश में सभी राजनीतिक दलों ने अपने यहां मजदूर संगठन बना रखे हैं। सभी दल दावा करते हैं कि उनका दल मजदूरों के भले के लिए काम करता है। मगर ये सिर्फ कहने सुनने में ही अच्छा लगता है हकीकत इससे कहीं उलटी हैं। मजदूर दिवस सिर्फ एक अवकाश का दिन न होकर श्रमिकों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने और उनके अधिकारों की रक्षा करने का दिन है। हमारे देश का मजदूर दिन प्रतिदिन और अधिक गरीब होता जा रहा है। दिन रात रोजी-रोटी के जुगाड़ में जद्दोजहद करने वाले मजदूर को तो दो जून की रोटी मिल जाए तो मानों सब कुछ मिल गया। आजादी के इतने सालो में भले ही देश में बहुत कुछ बदल गया होगा। लेकिन मजदूरों के हालात तो आज भी नहीं बदले हैं तो फिर श्रमिक वर्ग किस लिए मजदूर दिवस मनायेगा।

नजरिया

पाकिस्तान की पीठ पर चीन का हाथ

मनोज कुमार अग्रवाल

मोबाइल : 9219179431

जम्मू कश्मीर के सबसे लोकप्रिय पर्यटक स्थलों में से एक पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 28 लोगों को जान गंवानी पड़ी। बीते कुछ वर्षों से जम्मू कश्मीर में पर्यटकों की संख्या लगातार बढ़ रही थी। वर्ष 2015 के 1.3 करोड़ से बढ़कर 2023 में वहां जाने वाले पर्यटकों की तादाद 2.1 करोड़ तक पहुंच गई थी। देश में यह भावना प्रबल हो चली थी कि कश्मीर में हालात सामान्य हो चुके हैं और अब घाटी में जाना सुरक्षित है। ऐसे में आतंकियों ने न केवल क्षेत्र की आर्थिक संभावनाओं को चोट पहुंचाई है बल्कि सामान्य होते हालात को भी एक बार फिर अस्तव्यस्त कर दिया है। यह इस क्षेत्र के लिए एक बड़ा झटका साबित हो सकता है और सरकार को कोशिश करनी चाहिए कि न्यूनतम क्षति हो। सरकार के लिए दूसरी बड़ी चुनौती है हमले की समुचित जांच करना और इसके जिम्मेदारों को तलाश करना। इसके लिए भी इस क्षेत्र में खुफिया और सुरक्षा तंत्र की कमियों को दूर करना होगा। एक तरह से देखें तो यह दशकों पुरानी समस्या है।

उदाहरण के लिए पिछले साल ही आतंकियों ने कई हमले किए। उन्होंने एक पर्यटक जोड़े पर गोलीबारी की, तीर्थयात्रियों को ले जा रही एक बस पर हमला किया जिसमें नौ लोगों की जान चली गई क्योंकि बस खाई में गिर गई थी। एक सुरंग निर्माण स्थल के करीब उन्होंने गोलीबारी करके छह प्रवासी श्रमिकों और एक चिकित्सक की हत्या कर दी थी। इससे भी चिंताजनक बात यह है कि आतंकियों ने अपने पारंपरिक दायरे का विस्तार घाटी से जम्मू तक कर लिया। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक 2021 से 2024 के बीच जम्मू में 30 ऐसे हमले हुए जिनमें आतंकी शामिल थे। इनमें कई नागरिकों की मौत हुई। कुछ घटनाओं के चलते पर्यटकों के उफान वाले सीजन में खतरे का आकलन बढ़ा हुआ होना चाहिए था। इनमें से कुछ अमेरिका के साथ हमारी रणनीतिक करीबी से जुड़ी हैं जिनसे पाकिस्तान नाखुश होगा। कनाडाई-अमेरिकी तहव्वुर राणा का अमेरिका द्वारा भारत प्रत्यर्पण भी ऐसा ही एक मामला है। भारत में उस पर 26/11 के आतंकी हमले लिए मुकदमा चलाया जाएगा। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की भारत यात्रा को भी उकसावे की एक वजह माना जा सकता है, खासकर यह देखते हुए कि वह वॉशिंगटन में असाधारण रूप से ताकत रखते हैं। इसके अलावा पाकिस्तान के सेना प्रमुख ने कुछ ही दिन पहले कहा था कि कश्मीर उनके देश की गर्दन की नस है। खुफिया एजेंसियों ने उनके बयान को आसन्न आतंकवादी हमले का संकेत माना। ऐसे में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की जरूरत थी। आखिर में सोशल मीडिया और मुख्य धारा के मीडिया के माध्यम से जनता की नाराजगी को महसूस किया जा सकता है लेकिन सरकार को हालात से निपटने में संयम और तार्किकता से काम लेना चाहिए। ऐसी खबरें आईं कि आतंकियों ने लोगों की धार्मिक पहचान की जांच करने के बाद उन पर हमला किया। ऐसे में यह महत्वपूर्ण है कि सरकार किसी तरह का सांप्रदायिक तनाव नहीं भड़कने दे। देश में इस समय ऐसा कुछ नहीं होने देना चाहिए जिससे राज्य की शांति व्यवस्था नए सिरे से भंग हो जाए। हमले को लेकर विभिन्न मोर्चों पर नपीतुली प्रतिक्रिया देनी होगी। फिलहाल प्राथमिकता यह होनी चाहिए कि क्षेत्र में हालात सामान्य किए जाएं और आतंकियों को जल्द उनके अंजाम तक पहुंचाया जाए।

दुनिया के अधिकतर देश आतंकवाद का दंश झेल रहे हैं, तो इसका एक बड़ा कारण कुछ देशों की आतंकवाद के प्रति दोहरी नीति है। इन देशों के द्वारा वैश्विक मंचों से तो आतंकवाद के प्रति निंदा की जाती है, मगर बात आतंकवाद पर कार्रवाई करने और अंकुश लगाने की आती है, तो ये देश आतंकी देशों का समर्थन करने से परहेज नहीं करते हैं। इसी का नतीजा है कि आज पूरी दुनिया में आतंकवाद मानवता का सबसे बड़ा दुश्मन बना हुआ है और इसका खामियाजा भारत जैसे देशों को चुकाना पड़ रहा है। चीन भी एक ऐसा ही देश है, जो आतंकवाद को लेकर हमेशा से ही दोहरी नौति के तहत काम करता आया है। अपने मुल्क में इस्लामिक आतंकबाद का हवाला देकर उद्गर मुस्लिमों पर अत्याचार कर रहा है, लेकिन भारत के दुश्मन आतंकियों को बचाने के लिए वह संयुक्त राष्ट्र में ढाल बनकर खड़ा हो जाता है। पहलगाम हमले के बाद से भारत और पाकिस्तान में पहले से अधिक तनाव की स्थिति बढ़ गयी है। भारत में हुए इस आतंकी हमले में जहां एक ओर अमेरिका रूस और ईरान जैसे देशों ने समर्थन दिया है, वहीं चीन ने एक बार फिर से आंतकवाद पर अपनी दोहरी नीति को उजागर करते हुए पहलगाम हमले के घावों पर नमक छिड़कते हुए पाकिस्तान के साथ अपने समर्थन को जाहिर किया है। चीन ने एक तरफ अपने आंतकवादी मित्र देश पाकिस्तान की संप्रभुता एवं सुरक्षा हितों की रक्षा करने में उसके प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया और दूसरी तरफ दुनिया की नजरों में धूल झोंकने के लिए पहलगाम आतंकवादी हमले की 'त्वरित एवं निष्पक्ष' जांच किए जाने का आह्वान किया है। अपने पाकिस्तानी समकक्ष इशाक डार के साथ फोन पर बातचीत के दौरान चीनी विदेश मंत्री ने कहा कि चीन पहलगाम हमले के चाद के घटनाक्रम पर बारीकी से नजर बनाये हुए हैं। चीन ने अपने करीबी सहयोगी पाकिस्तान को उसकी संप्रभुता और सुरक्षा हितों की रक्षा करने में समर्थन दिया है। पाकिस्तान ने इंटरनेशनल टीम से पहलगाम हमले की जांच कराने की मांग की है, जिसे अब चीन ने भी दोहराया है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने पहलगाम के अपराधियों को न्याय दिलाने की बात कही है। मगर जिस प्रकार से चीन पाकिस्तान को बचाने की कोशिश कर रहा है, इस बात की आशंका कम ही है कि पाकिस्तान संयुक्त राष्ट्र में भारत का साथ देगा।

दरअसल, जब तक स्थायी सदस्य के रूप में चीन आतंक को सहारा देने वाले पाकिस्तान को बचाता रहेगा, तब तक किसी तरह के बदलाव की उम्मीद करना बेमानी है। पाकिस्तान को चीन का समर्थन कोई नई बात नहीं है और संयुक्त राष्ट्र से लेकर तमाम वैश्विक मंचों पर वह आतंकियों की पनाहगाह बन चुके इस मुल्क का समर्थन करता आया है।

आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के सरगना मसूद अजहर पाकिस्तान में खुलेआम घूमता है, जो भारतीय संसद पर हमला, मुंबई अटैक और पुलवामा हमले का गुनहगार है। इसके अलावा चीन ने हाल ही में मसूद के भाई अब्दुल रऊफ अजहर को भारत की ओर से संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की 1267 आईएसआईएल और अलकायदा प्रतिबंधित सूची में शामिल करने के प्रस्ताव का विरोध किया था। रऊफ पर अमेरिका ने 2010 में प्रतिबंध लगाया था और अगस्त 2022 में भी चीन ने उसे अंतरराष्ट्रीय आतंकी घोषित करने के भारत और अमेरिका के प्रस्ताव को बीटी लगाकर रोक दिया था।

संयुक्त राष्ट्र में भारत और अमेरिका के प्रस्ताव पर चीन ने वीटो का इस्तेमाल करते हुए रोक लगा दी थी। तल्हा सईद पर भारत सहित पश्चिमी देशों में जिहाद के नाम पर आतंक को बढ़ावा देने के आरोप हैं। भारत सरकार ने यूएपीए के प्रावधानों के तहत उल्हा सईद को आतंकी घोषित कर रखा है। यही नहीं, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता का भी चीन लगातार विरोध करता आया है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के पांच में से चार स्थायी सदस्य भारत के साथ हैं, सिर्फ चीन ही है जो भारत को स्थायी सदस्य बनाने का विरोध करता है। चीन के अड़ंगे की वजह से ही भारत स्थायी सदस्य नहीं बन पा रहा है, जबकि भारत कई बार परिषद का अस्थाई सदस्य रह चुका है। दरअसल पाकिस्तान से दोस्ती और भारत का विरोध करने के पीछे ठोस कारण है। चीन अंतरराष्ट्रीय राजनीति में भारत के बढ़ते कद से परेशान है। वर्तमान में चीन, भारत को एक प्रतिद्वंद्वी की तरह देख रहा है, चूंकि भारत विश्व को तेजी से उभरती हुई अर्थव्यवस्था है।

ऐसे में जहां एक तरफ भारत संपूर्ण विश्व का ध्यान अपनी ओर आकृष्ट करने में सफल हुआ है, तो दूसरी ओर चीन अपनी नीतियों के कारण अंतरराष्ट्रीय समुदाय में अलग-थलग नजर आ रहा है। चीन की नीतियों के संदर्भ में देखें तो उसने हमेशा विस्तारवाद को अपनी विदेश नीति के केंद्र में रखा है। यही कारण है कि बीसवीं सदी से इक्कीसवीं सदी तक चीन अपने भूभाग को बढ़ाने के लिए अंतरराष्ट्रीय नियमों की धज्जियां उड़ाते भी बाज नहीं आता है। दूसरी तरफ चीन अपने शिंजियांग में उइगर मुस्लिमों को आतंकवादी मानती है और प्रांत में हुए हमलों के लिए इस्लामिक आतंकवाद को जिम्मेदार ठहराता है। चीन ने हाल ही में अलगाववादी उग्रवादी संगठन 'ईस्ट तुर्किस्तान इस्लामिक मूवमेंट' को आतंकी संगठनों की लिस्ट से हटाने पर अमेरिका की तीखी आलोचना की थी।

चीन का तर्क है कि वैश्विक आतंकवाद से लड़ने के मामले में अमेरिका दोहरे मानक अपनाता है। हालांकि दूसरों के लिए खुद चीन का रवैया भी ऐसा ही है। चीन ने शिंजियांग में उइगर मुस्लिमों की इबादत पर भी बैन लगा रखा है। उइगर मुस्लिमों को जबरन हिरासत में रखने, बलात्कार, यातना, जबरन मजदूरी समेत उत्पीड़न की खबरें लगातार आती रहती हैं। चीन पर उइगर महिलाओं की जबरन नसबंदी और उड़गर बच्चों को उनके परिवारों से अलग रखने के आरोप हैं। साथ ही चीन इन मुसलमानों का चीनीकरण करने की कोशिश में है, यानी चीन की संस्कृति में गैर चीनी समाजों और समूहों को शामिल करने की जुगाड़ में लगा हुआ है। लेकिन आतंकियों को पालने, उनको हरसंभव मदद करने वाले पाकिस्तान के साथ खड़ा रहता है और उसकी मदद करता है। चीन भारत के लिए पाक से बड़ा विरोधी है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

बांग्लादेश उच्च न्यायालय ने हिंदू नेता को जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया

ढाका/भाषा

बांग्लादेश उच्च न्यायालय ने राष्ट्रीय ध्वज के अपमान के आरोप में करीब पांच महीने से जेल में बंद हिंदू नेता चिन्मय कृष्ण दास को बुधवार को जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया। अदालत के अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

उच्च न्यायालय के एक अधिकारी ने कहा, ''दो न्यायाधीशों की पीठ ने अपने पहले के फैसले को बरकरार रखते हुए अधिकारियों से सवाल किया कि उन्हें (दास को)जमानत क्यों नहीं दी जानी चाहिए।'' न्यायमूर्ति अताउर रहमान और न्यायमूर्ति अली रजा की पीठ ने अपने पिछले फैसले पर अंतिम सुनवाई के बाद जमानत मंजूर की। बांग्लादेश के बंदरगाह शहर चटगांव की कोतवाली पुलिस ने 31 अक्टूबर को दास और 18 अन्य पर बांग्लादेश के राष्ट्रीय ध्वज का अपमान करने का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज किया था।

अंतरराष्ट्रीय कृष्णभावनामृत संघ (इस्कॉन) के पूर्व नेता दास को 25 नवंबर को ढाका के हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर गिरफ्तार किया गया था।

हिंदू संगठन सम्मिलितो सनातनी जागरण जोत के प्रवक्ता दास को गिरफ्तारी के बाद दक्षिण-पूर्वी बंदरगाह शहर चटगांव की अदालत में ले जाया गया था, जिसने अगले दिन उनकी जमानत याचिका खारिज करते हुए उन्हें जेल भेज दिया था।

दास की गिरफ्तारी के बाद व्यापक पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए और उनके समर्थकों ने ढाका और अन्य जगहों पर प्रदर्शन किया। चटगांव में विरोध प्रदर्शन तब हिंसक हो गया जब दास को जेल भेजे जाने के कुछ ही घंटों बाद सहायक सरकारी अभियोजक सैफुल इस्लाम अलिफ की हत्या कर दी गई।

यह घटनाक्रम पिछले साल अगस्त में छात्रों के नेतृत्व में हुए बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन और प्रधानमंत्री शेख हसीना को अपदस्थ किए जाने के तीन महीने से भी कम समय बाद हुआ। दास की गिरफ्तारी बांग्लादेश और भारत के बीच तनाव का एक मुद्दा बना क्योंकि भारत ने उनकी गिरफ्तारी पर चिंता व्यक्त की। हसीना के भारत चले जाने के बाद आठ अगस्त को मुहम्मद यूनुस ने अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार का पद संभाला।

विदेश मंत्रालय (एमईए) ने 26 नवंबर को नई दिल्ली में कहा, ''यह घटना बांग्लादेश में चरमपंथी तत्वों द्वारा हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों पर किए गए कई हमलों के बाद हुई है।

बातचीत

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने नॉर्वे की अपनी आधिकारिक यात्रा के दौरान नॉर्वे की संसद – स्टॉर्टिंगेट का दौरा किया और गणमान्य सदस्यों से बातचीत की।

रूस के लिए लड़ते हुए लगभग 4,700 उत्तर कोरियाई सैनिक मारे गए या घायल हुए हैं : द.कोरिया का दावा

सियोल/एपी

दक्षिण कोरिया की खुफिया एजेंसी ने बुधवार को सांसदों को बताया कि अनुमान है कि रूस के साथ मिलकर यूक्रेनी सेना के खिलाफ लड़ते हुए उत्तर कोरिया के 4,700 सैनिक मारे गए या घायल हुए हैं।

दक्षिण कोरिया की खुफिया एजेंसी के इस आकलन से दो दिन पहले उत्तर कोरिया ने पहली बार पुष्टि की थी कि उसने रूस को कुर्स्क क्षेत्र के कुछ हिस्सों पर फिर से कब्जा करने में मदद करने के लिए अपने लड़ाकू सैनिकों को भेजा था, जिस पर पिछले साल अचानक यूक्रेन के घुसपैठ के कारण रूस का नियंत्रण खत्म हो गया था।

बैठक में भाग लेने वाले सांसदों में से एक ली सेओंग क्रेउन के अनुसार, दक्षिण कोरिया की राष्ट्रीय खुफिया सेवा ने बंद कमरे में संसदीय समिति की बैठक में कहा कि रूस-यूक्रेन युद्ध के मोर्चे पर उत्तर कोरिया के 600 सैनिक मारे गए और 4,700 सैनिक हताहत हुए हैं। ली ने संवाददाताओं को बताया कि एनआईएस ने कहा कि जनवरी और मार्च के बीच घायल 2,000 उत्तर कोरियाई सैनिकों को हवाई मार्ग से या ट्रेन से उत्तर कोरिया वापस भेजा गया। उन्होंने एनआईएस का हवाला देते हुए कहा कि युद्ध में मारे गए उत्तर कोरियाई सैनिकों का अंतिम संस्कार रूस में किया गया था, उसके बाद उनके अवशेष वापस घर भेजे गए।

मेटा ने एआई ऐप की शुरुआत की, जुकरबर्ग ने डेवलपर कॉन्फ्रेंस में माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ से बातचीत की

कैलिफोर्निया (अमेरिका)/एपी

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के क्षेत्र में प्रतिस्पर्धियों की भीड़ के बीच खुद का अलग मुकाम बनाने और ओपनएआई के चैटजीपीटी के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए मेटा ने एक सोशल मीडिया घटक के साथ एआई ऐप की शुरुआत की है। मेटा एआई ऐप, कंपनी के लामा 4 एआई सिस्टम के साथ बनाया गया है। इसमें एक ''डिस्कवर'' फीड शामिल है जो उपयोगकर्ताओं को यह जानने की सहूलियत देता है कि दूसरे लोग एआई के साथ कैसे बातचीत कर रहे हैं। इसमें एआई के साथ बातचीत करने के लिए एक 'वॉयस मोड' भी है।

फॉरेस्टर के शोध निदेशक माइक प्रोलक्स ने कहा, ''मेटा के लिए कंपनी की सोशल मीडिया अनुभवों से सीखकर अपने चैटजीपीटी प्रतिस्पर्धी से खुद को अलग साबित करना समझदारी भरा कदम है। ऐप का डिस्कवर फीड ओजी फेसबुक फीड के एक संस्करण की तरह है, लेकिन केवल एआई उपयोग मामलों पर केंद्रित है।'' उपयोगकर्ताओं को अपने फेसबुक और इंस्टाग्राम खातों को लिंक करने की सुविधा देकर, मेटा एआई ऐप ''सोशल मीडिया संदर्भ के साथ अपने उपयोगकर्ता अनुभव को तुरंत वैयक्तिकृत करने में मदद करता है।'' मेटा ने अपने कई प्रतिद्वंद्वियों की तुलना में एआई के लिए एक अलग दृष्टिकोण अपनाया है, इसे एक ओपन-सोर्स उत्पाद के रूप में मुफ्त में जारी किया है। कंपनी का कहना है कि हर महीने एक अरब से ज्यादा लोग उसके एआई उत्पादों का इस्तेमाल करते हैं।

कैलिफोर्निया स्थित प्रौद्योगिकी दिग्गज के मेनलो पार्क स्थित उदघाटन सम्मेलन, लामाकॉन में मंगलवार को मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग ने एआई विकास की गति और किस प्रकार यह प्रौद्योगिकी उनकी दोनों कंपनियों – जहां एआई पहले से ही कोड लिख रहा है – और साथ ही विश्व को बदल रहा है, के बारे में तकनीकी चर्चा में माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्य नडेला के साथ बातचीत की। जुकरबर्ग ने माना कि एआई को लेकर काफी 'आशंकाएं'हैं। उन्होंने कहा कि ''यदि इससे उत्पादकता में भारी वृद्धि होगी, तो इसका असर सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में भी दिखना चाहिए।''

जुकरबर्ग ने कहा कि इस काम को पूरा होने में कई वर्ष लगेंगे।

नडेला ने बिजली के आगमन का जिक्र करते हुए कहा कि ''एआई में संभावनाएं हैं, लेकिन अब आपको वास्तव में इसे उत्पादकता में वास्तविक बदलाव लाने के लिए तैयार करना होगा – और इसके लिए सॉफ्टवेयर और प्रबंधन में बदलाव की भी आवश्यकता है, है न? क्योंकि कुछ मायनों में, लोगों को इसके साथ अलग तरीके से काम करना होगा।''

मक्खी-मच्छरों जैसे भिनभिना रहे आतंकवादियों का जल्द होगा खात्मा : मोहन यादव

इंदौर/भाषा। पहलगाम आतंकी हमले के बाद आतंकवाद के खिलाफ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सख्त संदेश का हवाला देते हुए मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने बुधवार को लोगों से अपील की कि वे एकजुटता बनाए रखें। यादव ने इंदौर शहर से करीब 50 किलोमीटर दूर भगवान परशुराम की जन्मस्थली जानापाव में आयोजित कार्यक्रम के दौरान कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने भारत के दुश्मनों, आतंकवादियों और उनका साथ देने वाले लोगों को मिट्टी में मिलाने का संकल्प लिया है और ऐसे समय देशवासियों को अपनी एकजुटता कायम रखनी चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा,''प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में दुनिया भर में आज भारत का परचम लहरा रहा है, तो कुछ कीटाणु (आतंकवादी) मक्खी-मच्छरों की तरह भिनभिनाते दिख रहे हैं। वे (आतंकवादी) भूल गए हैं कि हम भारतीय नागरिक परशुराम के वंशज हैं। उनका (आतंकवादियों का) पता ही नहीं लगेगा कि वे कहां गायब हो गए।''

किलर कॉमेडी 'हाउसफुल 5' में होगा खूनी खेल! टीजर ने बढ़ाया सस्पेंस

मुंबई/एजेन्सी

प्रोड्यूसर साजिद नाडियाडवाला की सबसे बड़ी हिट कॉमेडी फ्रेंचाइजी 'हाउसफुल' की पांचवीं फिल्म आने वाली है। फैंस इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस बीच 'हाउसफुल 5' के मेकर्स ने फिल्म का धांसू टीजर रिलीज कर दिया है, जिसे देख यह बात तो साफ है कि दर्शकों को एक बार फिर कॉमेडी का ओवरडोज मिलने वाला है। तरुण मनसुखानी के निर्देशन में तैयार फिल्म में काफी लंबी चौड़ी स्टारकास्ट है। टीजर की शुरुआत में एक क्रूज समंदर के बीच चलता नजर आता है। इस पर फिल्म की पूरी स्टारकास्ट सवार है। क्रूज पर गाना-बजाना चल रहा है, कि तभी अक्षय कुमार की एंट्री होती है और उनके बाद चंकी पांडे, जॉनी लीवर, सौंदर्या शर्मा, चित्रांगदा सिंह, रितेश देशमुख, अभिषेक बच्चन, जैकलीन फर्नांडिस, सोनम बाजवा, नरगिस फाखरी, फरदीन खान, श्रेयस तलपड़े, डीनो मोरिया, निकितेन धीर, रंजीत, जैकी श्रॉफ, संजय दत्त और नाना पाटेकर को दिखाया जाता है।

अचानक झूमर के ऊपर से एक लाश आकर गिरती है। मर्डर करने वाला हत्यारा मास्क पहने नजर आता है। कौन है ये हत्यारा? इस पर सस्पेंस है। इस टीजर को देख फैंस काफी उत्साहित हैं। यानी यह हॉरर कॉमेडी अब एक मर्डर मिस्ट्री भी होगी। इस फिल्म की रिलीज डेट से भी पर्दा उठ गया है। इस टीजर को अक्षय कुमार ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट इंस्टाग्राम पर शेयर किया और लिखा- 'आज से 15 साल पहले...पागलपन शुरू हुआ! भारत की सबसे बड़ी फ्रेंचाइजी 5वीं फिल्म के साथ वापस आ गई है, और इस बार यह सिर्फ खलबली और कॉमेडी नहीं है... बल्कि एक किलर कॉमेडी है! यहां पेश है हाउसफुल 5 का टीजर! फिल्म 6 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।' बता दें कि अक्षय कुमार और रितेश देशमुख शुरू से ही इस फ्रेंचाइजी का हिस्सा रहे हैं। बाकी कलाकार बाद में जुड़ते गए। 'हाउसफुल' फ्रेंचाइजी की पहली कॉमेडी फिल्म साल 2010 में आई थी। दो साल बाद 'हाउसफुल 2' आई। इन दोनों फिल्मों को साजिद खान ने डायरेक्ट किया था। 2016 में 'हाउसफुल 3' रिलीज हुई, जिसे साजिद और फरहाद ने निर्देशित किया। 2019 में 'हाउसफुल 4' पर्दे पर रिलीज हुई। इसे फरहाद सामजी ने डायरेक्ट किया। अब 'हाउसफुल 5' का निर्देशन तरुण मनसुखानी कर रहे हैं। वहीं साजिद नाडियाडवाला इसे प्रोड्यूस कर रहे हैं। 'हाउसफुल 5' 6 जून को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

सीरीज 'ग्राम चिकित्सालय' का ट्रेलर रिलीज किया

मुंबई/एजेन्सी

प्राइम वीडियो ने आज अपनी आगामी हिंदी ओरिजिनल ड्रामा सीरीज़ ग्राम चिकित्सालय का हास्यपूर्ण और दिल को छू जाने वाला ट्रेलर रिलीज किया। यह ओरिजिनल सीरीज़ द वायरल फीवर के बैनर तले निर्मित है और इसे दीपक कुमार मिश्रा ने क्रिएट किया है। सीरीज़ को वैभव सुमन और श्रेया श्रीवास्तव ने लिखा है तथा इसका निर्देशन राहुल पांडे ने किया है। ग्राम चिकित्सालय एक ड्रामा है, जो एक एक शहरी डॉक्टर, डॉ. प्रभात की यात्रा को दर्शाता है, जिसमें वो एक दूर-दराज़ के गांव भटकंडी के लगभग बंद हो चुके प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को फिर से शुरू करने की चुनौती को स्वीकार करता है। इस सीरीज़ में अमोल पाराशर और विनय पाठक मुख्य भूमिकाओं में हैं, जबकि आकांक्षा रंजन कपूर, आनंदेश्वर द्विवेदी, आकाश मखीजा, और गरिमा विक्रांत सिंह जैसे कलाकार महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे। ग्राम चिकित्सालय का प्रीमियर नौ मई को विशेष रूप से प्राइम वीडियो पर भारत समेत 240 से अधिक देशों और क्षेत्रों में किया जाएगा। अमोल पाराशर ने कहा, डॉ. प्रभात का किरदार निभाना मेरे लिए उन दुर्लभ अनुभवों में से एक रहा है, जो कैमरा बंद होने के बाद भी आपके साथ बना रहता है। ग्राम चिकित्सालय की मूल भावना एक डॉक्टर के समर्पण की गहराई से पड़ताल करती है, जो उस समुदाय की सेवा करना चाहता है, जहां से उसे लगातार प्रतिरोध झेलना पड़ता है। यह सीरीज़ हल्के-फुल्के क्षणों और भावनात्मक गहराई को खूबसूरती से पिरोती है, जिससे एक ऐसी कहानी बनती है जो दर्शकों के दिल को छू जाएगी। मैं बेहद उत्साहित हूं कि दर्शक डॉ. प्रभात की इस यात्रा को देखेंगे,जिसमें उनकी चुनौतियां, उनकी जीत, और वह पहला मरीज़ पाने की जद्दोजहद शामिल हैं।

पंकज त्रिपाठी की वेबसीरीज 'क्रिमिनल जस्टिस - ए फैमिली मैटर' का टीजर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के जानेमाने चरित्र अभिनेता पंकज त्रिपाठी की वेबसीरीज क्रिमिनल जस्टिस - ए फैमिली मैटर का टीजर रिलीज हो गया है। जियोहॉटस्टार ने अपने ऐतिहासिक कानूनी ड्रामा - क्रिमिनल जस्टिस की वापसी की घोषणा की है। क्रिमिनल जस्टिस सीजन 4 में दर्शकों के लिए एक दिलचस्प केस होगा जिसमें दिग्गज अभिनेता पंकज त्रिपाठी माधव मिश्रा के रूप में वापसी करेंगे, जो अपनी ट्रेडमार्क बुद्धि और अदम्य धैर्य से भरे हुए हैं। रोहन सिप्पी द्वारा निर्देशित, बीबीसी स्टूडियो के सहयोग से अप्लॉज एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित, क्रिमिनल जस्टिस सीज़न 4, 22 मई से विशेष रूप से जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम होने के लिए तैयार है। इस सीरीज में मोहम्मद जीशान अय्यूब, सुरवीन चावला, मीता वशिष्ठ, आशा नेगी, श्वेता बसु प्रसाद, खुशबू अत्रे और बरखा सिंह भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। निर्देशक रोहन सिप्पी ने कहा, पंकज त्रिपाठी के साथ काम करने का मौका मिलना वाकई खुशी की बात है, जिन्होंने कोर्टरूम योद्धा माधव मिश्रा को इतना अविस्मरणीय किरदार बना दिया है... और फिर से इस सीज़न में एक बार फिर से नए दमदार कलाकार आए हैं, जो शानदार तरीके से उनका किरदार निभाते हैं और एक अनोखी कानूनी ड्रामा थ्रिलर को आकार देते हैं, जिसे दर्शक वाकई पसंद करेंगे।

हमें उम्मीद है कि यह उस महान विरासत को आगे बढ़ाएगा जिसे हमने जियोहॉटस्टार की अविश्वसनीय टीम के साथ बनाया है क्योंकि वे चौथे सीज़न को सबसे बड़े दर्शक वर्ग तक ले जाएंगे। पंकज त्रिपाठी ने कहा, क्रिमिनल जस्टिस मेरे लिए घर वापसी जैसा है। जब भी मैं माधव मिश्रा के रूप में लौटता हूँ, तो यह एक पुराने दोस्त से फिर से मिलने जैसा होता है, जिसके पास मुझे सिखाने के लिए अभी भी कुछ नया है। उनमें एक ईमानदारी और गर्मजोशी है, जिसे दर्शकों ने हर सीज़न में बनाए रखा है। वह प्यार बेहद विनम्र करने वाला है। माधव सिर्फ़ एक किरदार नहीं है जिसे मैं निभाता हूं। वह कोई ऐसा व्यक्ति है जिसे मैं अपने साथ लेकर चलता हूँ। और प्रत्येक अध्याय के साथ, यह बंधन और भी मज़बूत होता जाता है। मैं वापस आकर रोमांचित हूँ और प्रशंसकों के एक बार फिर कोर्टरूम में हमारे साथ जुड़ने का इंतज़ार नहीं कर सकता।

'काल' के लिए बाघों के साथ दो महीने जंगल में रही थीं ईशा देओल

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड की हॉरर-थ्रिलर फिल्म 'काल' को रिलीज हुए आज पूरे 20 साल हो गए हैं। इस मौके पर बॉलीवुड एक्ट्रेस ईशा देओल ने फिल्म से जुड़ी कुछ पुरानी यादें ताजा कीं। उन्होंने अपने को-एक्टर जॉन अब्राहम के साथ सेट से ली गई बीटीएस फोटो अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की और बताया कि इस फिल्म की शूटिंग के दौरान उन्होंने दो महीने जंगल में बिताए थे। उस समय वे असली बाघों के बीच शूटिंग कर रहे थीं, जो एक बहुत ही रोमांचक और यादगार अनुभव था। फोटो में ईशा कार की बोनट पर बैठी नजर आ रही हैं, वहीं जॉन के पास खड़े दिखाई दे रहे हैं। इस फोटो को शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा, ''20 साल हो गए जब हम सबने दो महीने जंगल में बाघों के साथ बिताए थे, बहुत सुंदर यादें हैं।'' अपने इस पोस्ट में उन्होंने इसी फिल्म का गाना 'तौबा तौबा' भी बैकग्राउंड म्यूजिक ट्रैक में जोड़ा। फिल्म की कहानी जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क जैसे एक जंगल में सेट है, जहां कुछ लोग बाघों की रहस्यमयी मौतों की जांच करने आते हैं। फिल्म में जॉन ने डॉ. क्रिश थापर की भूमिका निभाई, जो एक वाइल्डलाइफ एक्सपर्ट हैं। उसे सरकार की तरफ से इन मौतों की जांच का जिम्मा दिया जाता है। वहीं एक दोस्तों का ग्रुप, जिसमें विवेक ओबेरॉय, ईशा देओल, लारा दत्ता और विशाल मल्होत्रा जैसे किरदार होते हैं, एडवेंचर ट्रिप पर उसी जंगल में आते हैं। जैसे-जैसे कहानी आगे बढ़ती है, ग्रुप के लोग एक-एक करके मरने लगते हैं। पहले सबको लगता है कि ये बाघ कर रहे हैं, लेकिन बाद में पता चलता है कि इन मौतों के पीछे एक रहस्यमयी ताकत है। फिल्म में अजय देवगन का किरदार 'काली' सस्पेंस से भरा होता है। यह फिल्म 29 अप्रैल 2005 को रिलीज हुई थी। इसे करण जौहर और शाहरुख खान ने प्रोड्यूस किया था।

'आमी जे तोमार 3.0' से 'पिंगा' तक-बॉलीवुड के सबसे शानदार डांस

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड की कई फिल्मों में सितारों ने शानदार डांस फेसऑफ्स से सिल्वर स्क्रीन को रोशन कर दिया। अंतरराष्ट्रीय नृत्य दिवस नृत्य कला का उत्सव है, और इस दिन को मनाने का इससे बेहतर तरीका क्या हो सकता है कि हम बॉलीवुड के इतिहास में कुछ सबसे प्रतिष्ठित डांस मुकाबलों को याद करें। माधुरी दीक्षित की मंत्रमुग्ध कर देने वाली नृत्य से लेकर विद्या बालन की भावपूर्ण अदाओं तक, इन नृत्य मुकाबलों ने दर्शकों के दिलों पर अमिट छाप छोड़ी है। भूल भुलैया 3 में, विद्या बालन और माधुरी दीक्षित ने भरतनाट्यम और कथक के जरिए मंच पर अपना जादू बिखेरा। विद्या की भावपूर्ण आंखें और माधुरी के पांवों की थाप ने एक ऐसा मंत्रमुग्ध कर देने वाला माहौल रच दिया, जो तीव्र भी था और मोहक भी। दोनों अभिनेत्रियों के बीच की केमिस्ट्री ने इस डांस डुएल को अविस्मरणीय बना दिया। फिल्म बाजीराव मस्तानी के गीत पिंगा में दीपिका पादुकोण और प्रियंका चोपड़ा ने एक जीवंत और

ऊर्जावान नृत्य मुकाबला पेश किया। पारंपरिक महाराष्ट्रियन पोशाक में सजी दोनों अभिनेत्रियों ने लावणी नृत्य में अद्भुत तालमेल और गरिमा का प्रदर्शन किया। बॉलीवुड के इतिहास के सबसे प्रतिष्ठित नृत्य मुकाबलों में से एक, फिल्म देवदास के गीत डोला रे डोला में ऐश्वर्या राय और माधुरी दीक्षित ने भरतनाट्यम और कथक का अद्भुत संगम प्रस्तुत किया। गीत की जटिल कोरियोग्राफी और दोनों अभिनेत्रियों के शानदार प्रदर्शन ने एक ऐसा दृश्य रच दिया जो आज भी दर्शकों के दिलों में बसा हुआ है। ऐश्वर्या और माधुरी द्वारा प्रदर्शित गरिमा और आकर्षण ने भारतीय सिनेमा में डांस सीक्वेंस का एक उच्च मानदंड स्थापित कर दिया। फिल्म दिल तो पागल है में माधुरी दीक्षित और करिश्मा कपूर के बीच का डांस ऑफ फियर और ग्रेस का अद्भुत संगम था। डांस ऑफ एन्वी गीत में दोनों की अलग-अलग शैलियों को दिखाया गया।

माधुरी की शास्त्रीय नजाकत और करिश्मा की समकालीन तेजी। दोनों अभिनेत्रियों के बीच की प्रतिस्पर्धी भावना और ऊर्जावान प्रस्तुति ने इस डांस मुकाबले को बॉलीवुड के यादगार पलों में शुमार कर दिया। जैसे हम अंतरराष्ट्रीय नृत्य दिवस 2025 का जश्न मना रहे हैं, ये प्रतिष्ठित नृत्य मुकाबले हमें भारतीय सिनेमा की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और अद्भुत प्रतिभा की याद दिलाते हैं। इन प्रस्तुतियों ने न केवल नृत्य की विरासत को समृद्ध किया है, बल्कि दुनियाभर के अनगिनत नर्तकों और कोरियोग्राफरों को प्रेरणा भी दी है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
बेंगलूरु | गुरुवार | 01-05-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

शहर के राजराजेश्वरीनगर के जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा के तत्वावधान में मुनि डॉ पुलकित कुमारजी एवं आदित्य कुमारजी के सान्निध्य में अक्षय तृतीया वर्षीतप पारणा समारोह का आयोजन किया गया।

शंकरपुरम में 180 तपस्वियों के सामूहिक पारणे सम्पन्न

महावीर स्वामी वर्षीतप चैरिटेबल ट्रस्ट चामराजपेट ने किया आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय महावीर स्वामी वर्षीतप चैरिटेबल ट्रस्ट चामराजपेट के तत्वावधान में गच्छाधिपति आचार्यश्री उदयप्रभसूरीश्वरजी की निश्रा में पर्ल ग्राउंड शंकरपुरम में अक्षय तृतीया के अवसर पर 180 तपस्वियों के सामूहिक पारणे का कार्यक्रम संम्पन्न हुआ।गच्छाधिपति के मुखारविंद से मंगलाचरण से वर्षीतप तपस्वियों के पारणे का शुभारंभ किया गया। ट्रस्ट के अध्यक्ष महावीर मेहता ने सभी वर्षीतप तपस्वियों की अनुमोदना की।

मंत्री संतोष चौहान के सभी वर्षीतप के तपस्वी, सामूहिक वर्षीतप के लाभार्थियों एवं कार्यकर्ताओं को धन्यवाद दिया। ट्रस्ट के उपाध्यक्ष सुरेन्द्र रांका व गौतम मुथा, कोषाध्यक्ष गजेन्द्र चांदावत, सहमंत्री महावीर श्रीश्री माल, सहमंत्री नरेश बांठिया, भेरूमल भंडारी, मुकेश मेहता, किशोर पोरवाल, सुनील मोदी, सुनील गादिया, महावीर लुंकड़, महेंद्र छाजेड़, उत्तमचंद सालेचा, जयंतीलाल बागरेचा, केवल जीरावला, हेमराज पालगोता, प्रवेश बालर, प्रवीण पोरवाल, मोहन जीरावला, मनोज बोहरा, संजय मेहता, विकास पालरेचा, विशाल पोरवाल सहित पूरी टीम ने पारणे कार्यक्रम की सम्पूर्ण व्यवस्था संभाली। उपाध्यक्ष गौतम मुथा ने संचालन किया।

कैलाश संखलेचा ने बताया कि श्रेयांस कुमार बनकर ललितकुमार, अशोककुमार, किशोरकुमार, महेन्द्रकुमार छाजेड़ परिवार ने प्रथम पारणा करवाने का लाभ लिया। इसके अलावा विभिन्न लाभार्थियों ने विभिन्न लाभ लिए। ट्रस्ट द्वारा सभी लाभार्थियों का सम्मान किया गया।

जाति जनगणना से सामाजिक न्याय का नया युग शुरू होगा: एकनाथ शिंदे

ठाणे/गुवाहाटी,/भाषा

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एवं शिवसेना अध्यक्ष एकनाथ शिंदे ने जाति जनगणना कराने के केंद्र सरकार के फैसले की बुधवार को सराहना करते हुए इसे सामाजिक न्याय की दिशा में मील का पत्थर बताया। उन्होंने कहा कि इससे संसाधनों के समान वितरण में मदद मिलेगी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता और असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने भी जातिगत गणना कराने के केंद्र के फैसले का स्वागत किया। शिंदे ने ठाणे में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'साहसिक और समावेशी

नेतृत्व' की प्रशंसा करते हुए कहा, ''जातिगत गणना से विभिन्न जातियों की वास्तविक संख्या पता चलेगा। इस आधार पर सटीक नीति-निर्माण हो सकेगा जिससे सामाजिक न्याय के एक नए युग की शुरुआत होगी।''

शिंदे ने कहा कि यह आजादी के बाद सरकार द्वारा लिए गए सबसे साहसी निर्णयों में से एक है। उन्होंने कहा, ''यह सिर्फ नीतिगत फैसला नहीं है, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय पहुंचाने का एक क्रांतिकारी कदम है। शिवसेना इस कदम का पूरा समर्थन करती है।''

शर्मा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जारी पोस्ट में कहा, ''हम 2025 की जनगणना का स्वागत करते हैं, जो सामाजिक न्याय के एजेंडे को और मजबूत करेगी और यह डॉ. राम मनोहर लोहिया, जन नायक कर्पूरी ठाकुर और कई अन्य महान लोगों को श्रद्धांजलि है।'' उन्होंने कहा, ''मोदी सरकार हमेशा हमारे पिछड़े समुदायों के प्रतिनिधित्व और अधिकारों के लिए खड़ी रही है।''

मोक्ष प्राप्ति का सबसे सरलतम उपाय है तपस्या : मुनिश्री पुलकित कुमार

राजराजेश्वरीनगर में 20 तपस्वियों ने किए अक्षय तृतीया के पारणे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के राजराजेश्वरीनगर के जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा के तत्वावधान में मुनि डॉ पुलकित कुमारजी एवं आदित्य कुमारजी के सान्निध्य में अक्षय तृतीया वर्षीतप पारणा समारोह का आयोजन किया गया। इस मौके पर बड़ी संख्या में उपस्थित श्रावक श्राविकाओं को संबोधित करते हुए मुनिश्री ने कहा कि प्रथम तीर्थंकर ऋषभदेव ने श्रम करो, सुखी रहो, सहन करो, शांति से जियो का सूत्र दिया था। वर्षीतप की आराधना जहां जैन धर्म की पहचान है वहीं आज के मेडिकल साइंस के लिए अनुसंधान का विषय बन चुका है। तपस्या अमृत कहलाता है तथा स्वयं की ऊर्जा को उध्वर्मुखी बनाने का प्रयत्न है। तपस्या से शरीर की शुद्धि ही नहीं बल्कि आत्मशुद्धि का उत्तम उपाय है। तपस्या की महिमा सभी धर्म ग्रंथों में गाई गई हैं। मोक्ष प्राप्ति का सबसे सरलतम उपाय है तपस्या। देह रूपी मंदिर में तप रूपी भगवान की स्थापना करें, अशुभ कर्म बंधन से मुक्त होने का प्रयास करें, तभी अक्षय तृतीया मनाने की सार्थकता होगी। नचिकेता मुनिश्री आदित्यकुमारजी ने तपस्या के साथ ध्यान के महत्व को उजागर करते हुए विचार प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम में कैलाश आश्रम महासंस्थान, राजराजेश्वरीनगर के आचार्य महामण्डलेश्वर जगद्गुरुश्री जयेन्द्रपुरी महास्वामीजी ने कहा कि श्री कृष्ण ने गीता में तप करके मन की चंचलता को दूर करने का उपाय बताया है। तपस्या से जैन लोग जितेंद्रिय बनने का प्रयास करते हैं। सनातन हिंदू संस्कृति हो या जैन संस्कृति, सभी में भगवान ऋषभ के तपस्यामय जीवन को आदर के साथ स्वीकार किया गया है।

तेरापंथ धर्मसंघ की कल्याण परिषद के संयोजक कैलाशचन्द्र जैन ने कहा कि तपस्या के आध्यात्मिक पक्ष के साथ-साथ शारीरिक प्रतिक्रिया भी एक शोध का विषय है। इस पर गहन शोध जारी है एवं हम इस शोध के निष्कर्ष के प्रति आशावान हैं।

कार्यक्रम का शुभारम्भ मुनिश्री द्वारा 'श्री ऋषभाय नमः' जप द्वारा हुआ। तेरापंथ सभा के अध्यक्ष राकेश छाजेड़ ने सभी का स्वागत करते हुए सभी तपस्वियों की सुखसाता की पृच्छा करते हुए तपभावना की अनुमोदना की। महासभा से प्रकाश लोढ़ा, पारमार्थिक शिक्षण संस्था के अध्यक्ष बजरंग जैन सहित विभिन्न केन्द्रीय एवं क्षेत्रीय तेरापंथी संस्थाओं, तेरापंथी सभा, युवक परिषद, महिला मंडल, टीपीएफ, कन्यामंडल, किशोर मंडल, ज्ञानशाला के बच्चों आदि की उपस्थिति रही। पूर्व अध्यक्ष कमलसिंह दुगड़, ट्रस्ट के अध्यक्ष मनोज डागा, तेयुप के अध्यक्ष बिकास जैन,महिला मंडल की अध्यक्ष सुमन पटावरी की सक्रिय उपस्थिति थी।

कार्यक्रम में दो मुमुक्षु रिषिका समदड़िया, दक्षिता बच्छावत व अन्य जनों ने भावाभिव्यक्ति दी। इस आयोजन में वर्षीतप के 20 तपस्वियों ने मुनिश्री को ईक्षुरस प्रदान कर अपने वर्षीतप को संपन्न कर धन्यता का अनुभव किया। सभा द्वारा मुमुक्षुद्वय एवं तपस्वियों का जैन पट्ट, अभिनन्दन पत्र एवं स्मृति चिह्न से सम्मान किया गया।

प्रायोजक बाफना परिवार का सम्मान प्रतीक चिह्न देकर किया गया। कार्यक्रम के संयोजक देवेन्द्र नाहटा एवं उनकी टीम ने व्यवस्था संभाली। सभी तपस्वियों का परिचय सभा की उपाध्यक्ष सरोज बैद ने दिया। कार्यक्रम का संचालन मंत्री गुलाब बाँठिया ने किया तथा कोषाध्यक्ष देवेन्द्र नाहटा ने धन्यवाद दिया।

राजाजीनगर में प्रेक्षाध्यान और डिप्रेशन विषय पर हुई कार्यशाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ महिला मंडल राजाजीनगर के तत्वावधान में प्रेक्षाध्यान और डिप्रेशन विषय कर कार्यशाला का आयोजन मंगलवार को साध्वीश्री पावनप्रभाजी एवं पुण्ययशाजी के सान्निध्य में तेरापंथ सभा में हुआ। मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित पारमार्थिक संस्थान के अध्यक्ष बजरंग जैन ने कहा कि डिप्रेशन आज के समय की सबसे बड़ी समस्या है और डिप्रेशन को दूर करने के 4 उपाय बताते हुए कहा कि हमें स्वास्थ्य का ध्यान रखते हुए अच्छी नींद, हेल्दी डाइट, व्यायाम तथा निरंतर योग, प्राणायाम एवं आसनों का प्रयोग करें।

साध्वीश्री पावनप्रभाजी ने कहा कि डिप्रेशन को दूर करने के लिए शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक, आध्यात्मिक गतिविधियों में ध्यान लगाना चाहिए। साध्वीश्री पुण्ययशाजी ने श्वास प्रेक्षा करने की प्रेरणा दी तथा ॐ श्रीं श्रीं के उच्चारण से मन और विचारों को शांत करके डिप्रेशन से बचने का उपाय बताया। साध्वीश्री उन्नतयशाजी ने शशांक आसान, ताड़ासन, कार्योत्सर्ग एवं महाप्राण ध्वनि के प्रयोग करवाए। कार्यशाला में राजाजीनगर सभा के अध्यक्ष अशोक चौधरी, तेयुप के अध्यक्ष कमलेश चोरड़िया, लता जैन, पूर्व अध्यक्षा चेतना वेदमूथा, अध्यक्ष उषा चौधरी, मंत्री लता नवलखा सहित अन्य श्रावक श्राविकाएं उपस्थित थे।

अलसूर संघ में तीन-तीन साध्वियों के वर्षीतप के पारणे, उमड़े श्रद्धालु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, अलसूर के तत्वावधान में महावीर भवन में विराजित साध्वीश्री आगमश्रीजी ने अक्षय तृतीया के मौके पर अपने चौंतीसवें वर्षीतप का गुड़ के पानी से पारणा किया। इसी कड़ी में साध्वीश्री तत्वज्ञाश्री ने अट्ठाइसवें एवं साध्वीश्री संपूर्णाजी ने भी अपने छठे वर्षीतप के पारणे किए। अलसूर में आयोजित मात्र साध्वीवृन्दों के पारणे आयोजन का लाभ लेने एवं तपस्वी साध्वियों को पारणे कराने सुबह से ही महावीर भवन में श्रद्धालुओं का तांता लग गया और उन्होंने गुड़ पानी से साध्वियों के पारणे कराए तथा मांगलिक श्रवण की।

ज्ञातव्य है कि अक्षय तृतीया के ही दिन प्रथम तीर्थंकर प्रभु आदिनाथ ने 400 दिनों के अखंड तप का अपने प्रपौत्र श्रेयांश कुमार के हाथों गन्ने के रस से इस काल का प्रथम पारणा किया था। पहली बार किसी ने मुनि को खाद्य सामग्री प्रदान कर (बोहराकर) गोचरी परंपरा को प्रारंभ किया था। इसी तप का अनुसरण करते हुए हजारों की संख्या में तपस्वी एकांतर उपवास कर वर्ष भर का वर्षीतप करते हैं। साध्वीश्री आगमश्रीजी के पारणा आयोजन में अलसूर संघ के अध्यक्ष धनपतराज बोहरा, संघ के मंत्री अभयकुमार बांठिया, पूर्व अध्यक्ष नेमीचंद चोरड़िया, विल्सन गार्डन संघ के चेयरमैन मीठालाल मकाना, बेंगलूरु महासंघ के कोषाध्यक्ष हस्तीमल बाफना,अलसूर महिला मंडल, नवकार बहु मंडल, जैन युवक संघ एवं अनेक संघों के सदस्य, पदाधिकारी उपस्थित थे। अंत में साध्वीश्री धैर्याश्री ने मंगलपाठ सुनाया।

आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में प्रधानमंत्री मोदी के साथ है कांग्रेस : दिग्विजय सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सीहोर (मध्यप्रदेश)/भाषा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने बुधवार को कहा कि उनकी पार्टी आतंकवाद के खिलाफ सरकार की लड़ाई में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ खड़ी है। उन्होंने यह संवाददाताओं से कहा कि 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले के बाद जम्मू-कश्मीर के लोग आतंकवाद की निंदा करने के लिए सड़कों पर उतर आए हैं।

मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, कांग्रेस ने हमेशा आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई लड़ी है। हमारे दो पूर्व प्रधानमंत्री (इंदिरा गांधी और राजीव गांधी) आतंकवाद से लड़ते हुए शहीद हुए। कांग्रेस ने इस मुद्दे पर कभी समझौता नहीं किया। हमने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को देश के लिए जो भी सही है, वह करने का पूरा अधिकार दिया है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद का समर्थन करता रहा है, लेकिन केंद्र शासित प्रदेश के लोगों ने इसका कड़ा विरोध किया है।

कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य ने कहा, कश्मीर के लोगों - हिंदू और मुस्लिम दोनों ने मिलकर सड़कों पर प्रदर्शन कर और आतंकवादियों के खिलाफ नारे लगाकर आतंकवाद का विरोध किया है। उन्होंने भारतीय ध्वज थामकर 'भारत माता की जय' का नारा लगाया, जिससे यह साबित होता है कि जम्मू-कश्मीर और भारत के 99 प्रतिशत लोग आतंकवाद के खिलाफ हैं।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने कहा कि दक्षिण कश्मीर के पहलगाम शहर में हुई इस कायरतापूर्ण घटना का कड़ा विरोध होना चाहिए, जहां पिछले सप्ताह आतंकवादियों ने 26 लोगों की हत्या कर दी थी, जिनमें से अधिकतर पर्यटक थे। उन्होंने कहा, इस (पहलगाम हत्याकांड) में पाकिस्तान का स्पष्ट रूप से हाथ है। पाकिस्तान के अपने मंत्री ने कहा है कि वे आतंकवादियों को पनाह दे रहे हैं।

भंडारा — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

भंडारा : बेंगलूरु के स्वास्तिक सेवा संघ द्वारा कलासिपाल्यम स्थित अपने कार्यालय के समक्ष अक्षय तृतीया के अवसर पर बुधवार को विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। इस अवसर पर स्वास्तिक सेवा संघ के चेयरमैन सतीश मित्तल, अध्यक्ष बिमल सरावगी, उप चेयरमैन श्याम बंसल, अनिल नाहर, शैलेन्द्र मित्तल, गौरव जिंदल, पवन बंसल, नरेश अग्रवाल, अजय खेमका आदि ने अपने हाथों से करीब 4 हजार लोगों को अन्नदान किया।

रूस से कच्चे तेल के तय अवधि वाले सौदे पर बातचीत नहीं

नई दिल्ली/भाषा। सार्वजनिक क्षेत्र की इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) के चेयरमैन ए एस साहनी ने बुधवार को कहा कि कंपनी अंतरराष्ट्रीय बाजार में उतार-चढ़ाव के कारण रूस से कच्चे तेल के तय अवधि या मात्रा वाले आयात सौदे पर बातचीत नहीं कर रही है।

यूक्रेन युद्ध के बाद भारत का रूसी तेल आयात बढ़ा था और रूस लगातार तीसरे साल भारत का शीर्ष आपूर्तिकर्ता रहा। हालांकि, तेल पर रियायत कम होने के बाद यह आपूर्ति घटी है। साहनी ने यहां संवाददाताओं से कहा कि आईओसी के कुल आयात में रूसी तेल की हिस्सेदारी 30 प्रतिशत से घटकर 22-23 प्रतिशत रह गई है।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com